▪ श्रावण कृष्ण - 11 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 20 ▪ अंक - 9 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 31-07-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 चीन और पाकिस्तान संबंधी सुरक्षा चुनौतियों पर संसद को विश्वास में ले सरकार : खरगे

6 छात्रों की जान से खेलते कोचिंग सेंटर और नाकारा सिस्टम

7 खलनायिका की भूमिका निभाना चाहती हैं अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती

फर्स्ट टेक

भारत-बांग्लादेश सीमा पर बीएसएफ के जवानों के ऊपर हमला

कोलकाता/भाषा। भारत-बांग्लादेश सीमा पर मंगलवार सुबह तस्करों ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला किया। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए तस्करों के समूह पर गोलियां चलाईं। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। बीएसएफ ने एक बयान जारी कर बताया, यह घटना मुर्शिदाबाद जिले के मधुबना सीमा चौकी पर उस समय हुई, जब तस्कर भारतीय सीमा पर धारदार हथियारों के साथ इकट्ठा होने का प्रयास कर रहे थे। बयान के मुताबिक, चौकी क्षेत्र में गश्त कर रहे जवानों ने आठ से 10 तस्करों को सीमा की ओर आते हुए देखा और उन्होंने उन्हें चेतावनी दी। बीएसएफ ने बताया, तस्कर रुकने के बजाये जवानों पर धारदार हथियारों से हमला करने के लिए आगे बढ़े। एक जवान ने आत्मरक्षा के लिए हवा में एक गोली चलाई लेकिन तस्करों के आक्रामक रुख अपनाने के कारण स्थिति बिगड़ गई और उन्होंने जवानों पर हमला कर दिया।

अवैध धर्मांतरण में उम्रकैद के प्रावधान वाला संशोधित विधेयक उत्तर प्रदेश विधानसभा में पारित

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध (संशोधन) अधिनियम, 2024 पारित हो गया। विधानसभा में मंगलवार को संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने सदस्यों से विधेयक को पारित करने का अनुरोध किया। विधेयक के पक्ष में सदस्यों की संख्या अधिक होने पर अध्यक्ष ने इसके पारित कर दिये जाने की घोषणा की।

बम की धमकी के बाद सोमनाथ एक्सप्रेस को छह घंटे रोका गया

फिरोजपुर (पंजाब)/भाषा। जम्मू और राजस्थान के बीच चलने वाली सोमनाथ एक्सप्रेस में बम की सूचना मिलने के बाद उसे मंगलवार को पंजाब के फिरोजपुर जिले में कई घंटे तक रोक दिया गया। हालांकि, फोन करने वाले को पश्चिम बंगाल से पकड़ लिया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर ट्रेन में बम होने का दावा किया था। उन्होंने बताया कि ट्रेन को सुबह करीब सात बजकर 42 मिनट पर रोककर सभी यात्रियों को कासू बेगू रेलवे स्टेशन पर उतार लिया गया लेकिन यह सूचना फर्जी निकली। पंजाब पुलिस की ओर से साझा की गई सूचना के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस ने फर्जी कॉल करने वाले को दक्षिण 24 परगना जिले से पकड़ लिया।

सूर्यास्त	सूर्योदय
30-07-2024	31-07-2024
6:46 बजे	6:05 बजे

BSE	NSE
81,455.40	24,857.30
(+99.55)	(+21.20)

सोना	चांदी
7,105 रु.	85,600 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सीमा विवाद

क्या कभी खत्म हो पाएंगे,
दुनिया के सब सीमा विवाद।
सारे झगड़ों की जड़ है ये,
इनसे ही है सारे फसाद।
इनके कारण ही सेनाएं,
रक्षा आयुध जंगें जिहाद।
नर सबसे श्रेष्ठ जीव जग का,
तरकीब न कर पाया इजाद।।

केरल के वायनाड में

भूस्खलन से 123 लोगों की मौत, 128 घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल के पर्वतीय वायनाड जिले में मंगलवार तड़के कई जगहों पर भारी बारिश के बाद हुई भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 123 लोगों की मौत हो गयी है तथा 128 लोग घायल हुए हैं। सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि इस आपदा में अब तक 123 लोगों की मौत हो चुकी है।

भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं जिससे अपने घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया। भूस्खलन ने तबाही के निशान छोड़े हैं। कई मकान जमींदोज हो गए, नदियां उफान पर हैं और कई पेड़ उखड़ गए हैं।

सेना, नौसेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के बचाव दल खराब मौसम के बीच पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं और पीड़ित लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कई एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

इससे पहले, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बताया था कि वायनाड में भूस्खलन के बाद अब तक 93 शव बरामद हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि 128 लोगों का विभिन्न अस्पतालों में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि भूस्खलन में मरने वाले 34 व्यक्तियों के शवों की पहचान की जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि इनमें से 18 शव मृतकों के परिवारों को सौंप दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के पोथुकल में चलियार नदी से 16 शव मिले हैं, इसके अलावा शवों के टुकड़े भी बरामद किये गये हैं। उन्होंने कहा कि कई लोगों फंसे होने या बह जाने की आशंका है और हम बचाव कार्य जारी रखेंगे।

▪ भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं जिससे अपने घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया।

▪ भूस्खलन ने तबाही के निशान छोड़े हैं। कई मकान जमींदोज हो गए, नदियां उफान पर हैं और कई पेड़ उखड़ गए हैं।

विजयन ने बताया कि जिले में स्थापित 45 राहत शिविरों में 3,000 से अधिक लोगों को स्थानांतरित किया गया है। उन्होंने बताया कि पहला भूस्खलन तड़के दो बजे हुआ, उसके बाद दूसरा भूस्खलन सुबह चार बजकर दस मिनट पर हुआ। मुख्यमंत्री ने बताया कि मेप्पाडी, मुंदक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों से संपर्क टूट गया है तथा चूरलमाला-मुंदक्कई सड़क पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने संसद में इससे पहले दिन में कहा था कि भूस्खलन की घटनाओं में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई है।

एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र के अनुसार, जिले के मेप्पडी के पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद कई भूस्खलन हुए हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका पैदा हो गयी है। सूत्र ने बताया कि बचावकर्मियों को नदियों और कीचड़ से लोगों के अंग बरामद हो रहे हैं, इसलिए इस त्रासदी में मारे गए लोगों की सही संख्या का पता लगाना मुश्किल है। सूत्र ने बताया कि यह स्पष्ट नहीं है कि जो अंग मिल रहे हैं, वे एक ही व्यक्ति के हैं या कई व्यक्तियों के हैं। उसने बताया कि मृतकों में कई महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं और उनकी पहचान तथा पोस्टमार्टम के लिये के लिये शवों को विभिन्न अस्पतालों के मुर्दाघरों में ले जाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं।

▪ भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं।

▪ भूस्खलन प्रभावित इलाकों में मुंडक्कई, चूरलमाला, अट्टमाला और नूलपुझा गांव शामिल हैं।

“ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूस्खलन की घटनाओं में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन को संकट से निपटने के लिए केंद्र से हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

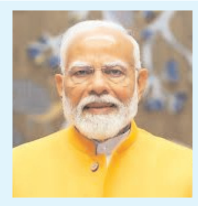

केरल सरकार ने भूस्खलन में लोगों की मौत के बाद प्रदेश में दो दिन के राजकीय शोक की घोषणा की है। मुख्यमंत्री विजयन ने कहा कि राज्य सरकार इस घटना से बहुत दुखी है जिसमें कई लोगों की जान चली गयी है और संपत्ति को बड़े पैमाने पर नुकसान पहुंचा है।

मुख्य सचिव वी. वेनू द्वारा जारी एक आधिकारिक अधिसूचना में 30 और 31 जुलाई को राजकीय शोक घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के अनुसार, इन दो दिनों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा और सभी सरकारी कार्यक्रमों को रद्द किया जाएगा।

बचाव दल मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। भारतीय सेना भी बचाव अभियान में शामिल हो गयी है। राज्य सरकार ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के अलावा पुलिस तथा दमकल कर्मियों को प्रभावित इलाकों में तैनात किया है।

भारत की छवि को चोट पहुंचाने की साजिश रची जा रही : सीतारमण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बजट को लेकर विपक्ष की आलोचनाओं को नकारते हुए मंगलवार को कहा कि भारत की छवि को चोट पहुंचाने और विदेशी निवेशकों को यह संदेश देने की साजिश रची जा रही है कि देश निवेश के लिए सुरक्षित नहीं है।

लोकसभा में बजट 2024-25 पर हुई चर्चा के दौरान विपक्षी सदस्यों की तरफ से लगाए गए आरोपों पर सीतारमण ने कहा, ''भारत के सामाजिक ताने-बाने, संसदीय परंपराओं, अर्थव्यवस्था और सशस्त्र बलों, इन चारों पर गंभीर हमला किया जा रहा है।'' उन्होंने कहा कि अगर देश में अस्थिरता और अराजकता है तो विकसित भारत की दिशा में सफर काफी मुश्किल होगा।

वित्त मंत्री ने अपने जवाब में कहा कि भारत ने पीढ़ियों से कड़ी मेहनत कर अपने विविधतापूर्ण समाज को एकजुट रखा है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति पैदा करने की कोशिश की जा रही है कि एक चिंगारी से भी बड़ा संघर्ष पैदा हो जाएगा। उन्होंने कहा कि समाज के अलावा अर्थव्यवस्था, संसद और सेना सभी पर हमला हो रहा है। अग्निवीर को लेकर जो कुछ भी हो रहा है, वह इसी साजिश का हिस्सा है। उन्होंने उद्यमशीलता को 'खलनायक' बनाए जाने का आरोप लगाते हुए कहा, ''साजिश यह है कि भारत की उद्यमशील संस्कृति को पूरी तरह पनपने से पहले ही खत्म कर दिया जाए और इस तरह भारत की मूल रीढ़ यानी लघु और मझोली इकाइयों एवं उद्यमों की उद्यमशीलता को चोट पहुंचाई जाए।''

हिजबुल मुजाहिदीन का एक आतंकवादी गिरफ्तार

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के पुंछ, राजौरी, किश्तवाड़ और डोडा जिलों के विभिन्न हिस्सों में मंगलवार को सुरक्षा बलों द्वारा शुरू किए गए तलाश अभियान के दौरान हिजबुल मुजाहिदीन के एक आतंकवादी को गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर कश्मीर के बांदीपोरा निवासी अब्दुल खलील को आतंकवाद निरोधक अभियान के दौरान पुंछ जिले के सुरनकोट इलाके से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने बताया कि खलील के पास से एक पिस्तौल और कुछ गोला-बारूद बरामद किए गए। खलील, प्रतिबंधित हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकवादियों की सीमा पार से घुसपैठ कराने के दौरान मार्गदर्शक के तौर पर काम करता था।

मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतरे, दो लोगों की मौत, 22 अन्य घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जमशेदपुर/रांची/कोलकाता/चाईबासा/भाषा। झारखंड के सरायकेला-खरसावां जिले में मंगलवार तड़के मुंबई-हावड़ा मेल के 18 डिब्बे पटरी से उतर जाने के कारण दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि यह दुर्घटना तड़के पौने चार बजे दक्षिण-पूर्व रेलवे (एसईआर) के चक्रधरपुर मंडल के अंतर्गत जमशेदपुर से लगभग 80 किलोमीटर दूर बड़ाबम्बू के पास हुई।

एसईआर के प्रवक्ता ओम प्रकाश चरण ने बताया कि पास में एक मालगाड़ी भी पटरी से उतर गई। उन्होंने बताया, नागपुर के रास्ते चलने वाली 22 कोच वाली 12810 हावड़ा-मुंबई मेल के कम से कम 18 डिब्बे चक्रधरपुर मंडल में बड़ाबम्बू स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। चरण ने बताया कि इनमें से 16 यात्री डिब्बे, एक जनरेटर कार और एक पेंट्री कार (रसोई यान) थी। सरायकेला-खरसावां के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार लुनायत ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, इस दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई और 22 अन्य घायल हो गए। घायलों में से 18 को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई और चार लोग अभी चिकित्सकों की निगरानी में हैं।

पेरिस ओलंपिक

मनु ने दूसरा पदक जीतकर रचा इतिहास

सरबजोत के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य

शेटराउ/भाषा। आत्मविश्वास से भरी मनु भाकर ने स्वतंत्रता के बाद एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनकर इतिहास रच दिया जिन्होंने सरबजोत सिंह के साथ पेरिस ओलंपिक में 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम वर्ग में दक्षिण कोरिया को हराकर कांस्य पदक जीता।

भारतीय जोड़ी ने कोरिया के ली वोन्हो और ओ ये जिन को 16 . 10 से हराकर देश को इस ओलंपिक में दूसरा पदक दिलाया। इससे पहले मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य जीता था। टोक्यो ओलंपिक में मनु पिस्टल में खराबी आने के कारण फाइनल के लिये क्वालीफाई नहीं कर सकी थी लेकिन यहां दो पदक जीतकर उन्होंने हर जख्म पर मरहम लगा दिया।

भारत का प्रदर्शन विश्व के लिए आदर्श, तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वैश्विक अनिश्चितताओं के दौर में भारतीय अर्थव्यवस्था के प्रदर्शन को विश्व के लिये एक आदर्श बताते हुये मंगलवार को कहा कि भारत महामारी के बाद तेजी से पुनः उच्च आर्थिक वृद्धि की राह पर लौट आया है तथा उनके वायदे के अनुसार, उनके तीसरे कार्यकाल में विश्व में तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री ने कहा था कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा और भारत सधे हुये कदमों से इस ओर बढ़ रहा है और निकट भविष्य में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी ताकत बन जायेगा। मोदी भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की ओर से बजट 2024-25 पर यहां विज्ञान भवन में आयोजित एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। मोदी ने कहा, मैं जिस बिरादरी से आता हूं, उस बिरादरी की पहचान बन गई है कि चुनाव से पहले जो बातें करते हैं, वो चुनाव के बाद भुला देते हैं, लेकिन मैं उस बिरादरी में अपवाद हूं। इसलिए, मैं आपको याद दिलाता हूं कि मैंने कहा था कि मेरे तीसरे कार्यकाल में देश, दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा। भारत बहुत सधे हुए कदमों से लगातार आगे बढ़ रहा है।

सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी ने प्रधानमंत्री के स्वागत भाषण में कहा कि मोदी के नेतृत्व में देश की अर्थव्यवस्था का कायाकल्प हुआ है और भारत को विश्व में एक नई जगह मिली है और भारत आज दुनिया की सबसे तीव्र गति से बढ़ रही अर्थव्यवस्था है। उन्होंने विकसित भारत के संकल्प में उद्योग जगत के पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुये, इस बजट में रोजगार प्रोत्साहन जैसी योजनाएं लाने के बारे में उद्योग जगत के सुझावों को शामिल किये जाने के प्रति प्रधानमंत्री का आभार जताया।

मोदी ने कहा कि उनकी सरकार जिस बड़े पैमाने और बड़ी रफ्तार से काम कर रही है वह अभूतपूर्व है तथा वैश्विक अनिश्चितता के दौर में भारत में जो आर्थिक वृद्धि दर और राजकोषीय संतुलन कायम रखा है, वह दुनिया के लिये एक आदर्श है।

केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन, बचाव अभियान तेज हुआ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल के पर्वतीय वायनाड जिले में मंगलवार तड़के कई जगहों पर भारी बारिश के बाद हुईं भूस्खलन की घटनाओं में कम से कम 93 लोगों की मौत हो गयी है तथा सैकड़ों लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका के कारण मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बताया कि कई लोगों फंसे होने या बह जाने की आशंका है और हम बचाव कार्य जारी रखेंगे । लोकसभा में विपक्ष के नेता और वायनाड के पूर्व सांसद राहुल गांधी ने संसद में इससे पहले दिन में कहा था कि भूस्खलन की घटनाओं में 70 से अधिक लोगों की मौत हुई है। भूस्खलन की घटनाएं मंगलवार तड़के हुईं जिससे अपने घरों में सो रहे लोगों को बचने का मौका भी नहीं मिल पाया। भूस्खलन ने तबाही के निशान छोड़े हैं। कई मकान जमींदोज हो गए हैं, नदियां उफान पर हैं और कई पेड़ उखड़ गए हैं। सेना, नौसेना और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के बचाव दल खराब मौसम के बीच पीड़ितों की तलाश कर रहे हैं और पीड़ित लोगों को आवश्यक सहायता प्रदान करने के लिए कई एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।

एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र के अनुसार, जिले के मेप्पडी के पर्वतीय क्षेत्रों में भारी बारिश के बाद कई भूस्खलन हुए हैं जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका पैदा हो गयी है।

वायनाड में हुए भूस्खलन का अरब सागर में तापमान बढ़ने से है संबंध : जलवायु वैज्ञानिक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अरब सागर में तापमान बढ़ने से घने बादल बन रहे हैं, जिसके कारण केरल में कम समय में भारी बारिश हो रही और भूस्खलन होने का खतरा बढ़ रहा है। एक वरिष्ठ जलवायु वैज्ञानिक ने मंगलवार को यह बात कही।

इस बीच, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने भूस्खलन पूर्वानुमान तंत्र और जोखिम का सामना कर रही आबादी के लिए सुरक्षित आवासीय इकाइयों के निर्माण का मंगलवार को आह्वान किया।

कोचीन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सीयूएसएटी) में वायुमंडलीय रडार अनुसंधान आधुनिक केंद्र के निदेशक एस. अभिलाष ने कहा कि सक्रिय मानसूनी अपतटीय निम्न दाब क्षेत्र के कारण कासरगोड, कन्नूर, वायनाड, कालीकट और मलप्पुरम जिलों में भारी वर्षा हो रही है, जिसके कारण पिछले दो सप्ताह से पूरा कोंकण क्षेत्र प्रभावित हो रहा है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि दो सप्ताह की वर्षा के बाद मिट्टी भुरभुरी हो गई।

अभिलाष ने कहा कि सोमवार को अरब सागर में तट पर एक गहरी 'मेसोस्केल' मेघ प्रणाली का निर्माण हुआ और इसके कारण वायनाड, कालीकट, मलप्पुरम और कन्नूर में अत्यंत भारी बारिश हुई, जिसके परिणामस्वरूप भूस्खलन हुआ। अभिलाष ने कहा, बादल बहुत घने थे, ठीक वैसे ही जैसे 2019 में केरल में आई बाढ़ के दौरान नजर आये थे। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों को दक्षिण-पूर्व अरब सागर के ऊपर बहुत घने बादल बनने की जानकारी मिली है। उन्होंने कहा कि कभी-कभी ये प्रणालियां स्थल क्षेत्र में प्रवेश कर जाती हैं, जैसे कि 2019 में हुआ था। अभिलाष ने कहा, हमारे शोध में पता चला कि दक्षिण-पूर्व अरब सागर में तापमान बढ़ रहा है, जिससे केरल समेत इस क्षेत्र के ऊपर का वायुमंडल ऊष्मगतिकीय (थर्मोडायनेमिकली) रूप से अस्थिर हो गया है।

वायनाड भूस्खलन : हादसे में बाल-बाल बचे पीड़ितों ने सुनाई अपनी दर्दभरी दास्तान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड (केरल)/भाषा। केरल के वायनाड जिले में आए विनाशकारी भूस्खलन के कारण मलबे में फंसे लोगों को बचाने के लिए अभियान जारी है हालांकि इस हादसे में बाल-बाल बचे लोग अपने बीते कुछ क्षणों को याद करते हुए सिहर उठते हैं।

वायनाड के भूस्खलन प्रभावित क्षेत्र में एक बुजुर्ग दंपती ने आपदा के दौरान रात के अंधेरे में सुरक्षित बचने की अपनी हताश कोशिशों का जिक्र किया। उनका घर भूस्खलन में नष्ट हो गया। दंपती अपने क्षेत्र में कीचड़ भरा पानी बहता देख रात 11 बजे ही अपना घर छोड़कर भाग निकले थे। उन्होंने पास की एक पहाड़ी पर शरण लेने से पहले अपने पड़ोसियों को बचाने की कोशिश की थी लेकिन पड़ोसियों ने उनके साथ आने से इनकार कर दिया।

बुजुर्ग व्यक्ति ने भावुक आवाज में कहा, हमने उनसे (पड़ोसियों से) हमारे साथ आने का आग्रह किया था, लेकिन उन्होंने कहा कि वह देर रात एक बजे हमारे साथ आएंगे और वह कभी नहीं आए। उन्होंने कहा कि वे सुबह तक पहाड़ी की चोटी पर इंतजार कर रहे थे और जब वे वापस आए, तो पूरा इलाका तबाह हो चुका था।

एक अन्य महिला ने रोते हुए संवाददाताओं से कहा कि उसके रिश्तेदार ने उसे फोन किया और कहा कि वे अपने बच्चे को लेकर घर से भाग रहे हैं।

महिला ने कहा कि उसने (रिश्तेदार) मुझे रात में फोन किया और कहा कि वे इस क्षेत्र से भागने की कोशिश कर रहे है। उनके साथ एक बच्चा था। उसके बाद से उनका फोन नहीं लगा।

उस परिवार का अभी तक पता नहीं चल पाया है।

मंगलवार को हुए भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 93 हो गई है और सेना, नौसेना व एनडीआरएफ की टीमें मलबे में फंसे सैकड़ों लोगों को बचाने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही हैं।

मुंडक्कई के पास मेप्पाडी अस्पताल में घायलों, मृतकों और लापता दोस्तों व रिश्तेदारों की तलाश कर रहे लोगों की भीड़ लगी हुई है।

कीचड़ में फंसे जीवित लोगों का पता लगाने के लिए वायनाड भेजे जा रहे हैं खोजी श्वान दस्ते

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। सेना में बेल्जियन, मैलिनोइस, लैब्राडोर और जर्मन शेफर्ड की नस्ल वाले विशेष खोजी श्वानों को वायनाड के मेप्पाडी भेजा जा रहा है जो सूंघ कर कीचड़ में दबे जीवित और मर चुके लोगों का पता लगाने में सक्षम हैं। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि इन श्वानों को उत्तर प्रदेश के मेरठ स्थित प्रतिष्ठित रिमाउंट वेटरनरी कोर सेंटर (आरवीसी) में कई वर्षों तक प्रशिक्षित किया गया है।

केरल के मुख्यमंत्री के विशेष अनुरोध पर, आपदा वाले क्षेत्रों में खोजी अभियान के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित सेना के खोजी श्वानों के दस्ते को वायनाड भेजा जाएगा, ताकि भूस्खलन वाली जगह पर मिट्टी के नीचे फंसे लोगों को बचाया जा सके। साथ प्राकृतिक आपदा में जान गंवाने वाले लोगों के शवों का पता लगाने के लिए भी उनकी मदद ली जाएगी।

रक्षा मंत्रालय के एक जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि केरल सरकार के अनुरोध पर मेरठ आरवीसी, विशेषज्ञ के साथ खोजी श्वानों के एक दल को वायनाड भेज रहा है। अधिकारी ने कहा, ''ये श्वान आपदा प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को बचाने के लिए प्रशिक्षित हैं और श्वान दस्ता जल्द ही वायनाड पहुंचेगा।''

वायनाड में भूस्खलन : अमित शाह ने पिनराई विजयन से बात, हर संभव मदद का भरोसा दिलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन से बात कर भूस्खलन प्रभावित वायनाड के हालात का जायजा लिया। उन्होंने विजयन को स्थिति से निपटने के लिए केरल को केंद्र की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा भी दिलाया। एक अधिकारी ने कहा, ''गृह मंत्री ने केरल के मुख्यमंत्री से बात की और वायनाड के हालात का जायजा लिया। गृह मंत्री ने मुख्यमंत्री को केंद्र सरकार से हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया।''

इससे पहले, शाह ने वायनाड में भूस्खलन पर गहरी चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) का तलाश एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है। उन्होंने बताया था कि राहत एवं बचाव अभियान में मदद के लिए एनडीआरएफ की एक और टीम को वायनाड रवाना कर दिया गया है।

शाह ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा था, ''केरल के वायनाड में भूस्खलन की घटना से बेहद चिंतित हूं। एनडीआरएफ का तलाश एवं बचाव अभियान युद्धस्तर पर जारी है।'' उन्होंने लिखा था, ''राहत एवं बचाव कार्यों में मदद के लिए एक और टीम वायनाड पहुंचने वाली है। मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी संवेदनाएं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।''

दिल्ली की घटना के बाद जागा प्रशासन, इंदौर में तलघर में चल रहे 13 अध्ययन संस्थान सील

इंदौर (मप्र)/भाषा। इंदौर में प्रशासन ने तलघर (बेसमेंट) में चल रहे 13 अध्ययन संस्थानों को सुरक्षा इंतजामों के कथित अभाव के चलते मंगलवार को सील कर दिया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली में भारी बारिश के बाद एक कोचिंग सेंटर के तलघर में पानी भर जाने से सिविल सेवा परीक्षा के तीन अभ्यर्थियों की मौत के मद्देनजर इंदौर के अध्ययन संस्थानों की जांच शुरू की गई है। अनुविभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) घनश्याम धनगर ने बताया,''हमने विद्यार्थियों की सुरक्षा को देखते हुए शहर के 13 ऐसे अध्ययन संस्थानों को सील कर दिया है जो तलघर में चल रहे थे। इनमें कोचिंग संस्थान और पुस्तकालय शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सील किए गए अधिकतर अध्ययन संस्थानों में आने-जाने के लिए एक ही रास्ता था और वहां आग से बचाव के उपकरण भी नहीं लगाए गए थे।

धनगर ने बताया,''इनमें से चार अध्ययन संस्थान तो ऐसे थे जिनकी दीवारों से लेकर छत तक प्लाईवुड की बनी थी। विद्यार्थियों की सुरक्षा के लिहाज से यह ढांचा बेहद खतरनाक है।'' उचित सुरक्षा इंतजामों के बिना चलाए जा रहे अध्ययन संस्थानों के संचालकों पर सख्त कार्रवाई की सिफारिश के साथ जिला प्रशासन को रिपोर्ट सौंपी जाएगी। शहर के एक पुस्तकालय को सील किये जाने के दौरान सिविल सेवा अभ्यर्थी शुभम ने कहा, दिल्ली की घटना में तीन विद्यार्थियों की मौत के बाद ही सरकार क्यों जागी? यह रवैया सरकार की लापरवाही दर्शाता है। अधिकारियों को अध्ययन संस्थानों का नियमित निरीक्षण करना चाहिए।

पंजाब ने आयुष्मान भारत योजना के लिए दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया: केंद्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र सरकार ने मंगलवार को राज्यसभा को बताया कि पंजाब ने अब आयुष्मान आरोग्य मंदिर के रूप में जाना जा रहे आयुष्मान भारत-स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र के लिए तय दिशानिर्देशों का पालन नहीं किया है, जो 2023-24 के पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के दिशानिर्देशों का उल्लंघन है। स्वास्थ्य राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा को एक प्रश्न के लिखित जवाब में बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 457.90 करोड़ रुपये के कुल केंद्रीय हिस्से के आवंटन में से पंजाब को 91.49 करोड़ रुपये जारी किए गए।

पटेल ने कहा कि व्यय विभाग यह निर्धारित करता है कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 2023-24 के पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता योजना के दिशानिर्देशों का पालन करना होगा। उन्होंने कहा कि चौथे पैरा में निर्धारित अनिवार्य शर्तों में से एक यह है कि सभी मंत्रालयों की सभी योजनाओं में सभी केंद्र प्रायोजित योजनाओं (सीएसएस) के आधिकारिक नामों और सीएसएस की ब्रांडिंग के संबंध में भारत सरकार द्वारा जारी किसी भी दिशा-निर्देश/निर्देश का पूर्ण अनुपालन किया जाए।''

उन्होंने कहा कि आधिकारिक नामों के स्थानीय भाषा में सही अनुवाद की अनुमति है। पटेल ने कहा कि पंजाब और केंद्र सरकार ने पिछले साल 16 जनवरी को 1 अप्रैल, 2021 से 3 मार्च, 2026 तक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के कार्यान्वयन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे।

आबकारी मामला: अदालत केजरीवाल के खिलाफ सीबीआई के आरोप पत्र पर 12 अगस्त को विचार करेगी

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी की एक अदालत 12 अगस्त को यह तय करेगी कि कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की ओर से दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दाखिल आरोपपत्र पर संज्ञान लिया जाए या नहीं। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने यह कहते हुए मामले की सुनवाई मंगलवार को 12 अगस्त के लिए सूचीबद्ध कर दी कि सीबीआई ने आरोपपत्र के समर्थन में दस्तावेज पेश नहीं किए हैं। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में अपनी जांच पूरी करते हुए सीबीआई ने सोमवार को केजरीवाल और अन्य के खिलाफ मामले में अपना अंतिम आरोपपत्र दायर किया।

प्रभु प्राप्ति के लिए श्रद्धा व आस्था बहुत जरुरी है : साध्वीद्वय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मी लेआउट संघ में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री नयदर्शाश्रीजी व ज्ञेयदर्शाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि श्रद्धा से प्रभु को बुलाया जाता है। प्रभु प्राप्ति के लिए श्रद्धा व आस्था बहुत जरुरी है। यदि भक्ति में श्रद्धा आ जाए तो प्रभु भक्ति में सोने पर सुहागा हो जाता है। सकारात्मक सोच आत्मकल्याण के लिए अतिआवश्यक है। प्रभु पर विश्वास, श्रद्धा और आस्था रखने से सब कार्य सफल हो जाते है। मंदिर में साध्वियों की प्रेरणा सेनवकार तप चल रहा है जिसमें 12 उपवास,, बियासना और 1 एकासना चल रहा है।

'जीतो' केकेजी जोन में शिवमोग्गा चैप्टर में महिला एवं युवा विंग का गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिवगोग्गा। जीतो केकेजी जोन में शिवगोग्गा चैप्टर में महिला व युवा विंग का गठन किया गया और साथ ही चैप्टर की संख्या ने दहाई का आंकड़ा छू लिया। केकेजी जोन अध्यक्ष अशोक सालेचा, अपेक्स निदेशक विनोद जैन, जोन उपाध्यक्ष प्रवीण बाफना, मुख्य सचिव दिलीप जैन, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश जैन, संयोजक यश्मा जैन व अंकित जैन, सह संयोजक भावेश नेतानी आदि विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में सुमन कवाड़ ने महिला विंग अध्यक्ष व आशीष पालरेचा ने युवा विंग अध्यक्ष के रूप शपथ ग्रहण की। मुख्य विंग के पदाधिकारियों की घोषणा आने वाले दिनों में की जाएगी। जीतो अपेक्स के निदेशक व युवा विंग प्रभारी विनोद जैन के वक्तव्य से महिला व युवा विंग को जीवंत व प्रभावशाली यात्रा की राह मिली। अध्यक्ष अशोक सालेचा व दिलीप जैन ने कहा कि नए चैप्टर के गठन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। गठन में जीतो दावणगेरे के अध्यक्ष अजीत ओसवाल, मुख्य सचिव विक्रम सेठिया व महिला अध्यक्ष कीर्ति संचेती का महत्वपूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर स्थानीय सभा संस्थाओं के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थे।

अभिमान गिराता और विनय सदा जीवन को उठाता है : राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत जैन स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री राजेशमुनि ने कहा कि यदि हम भक्ति के माध्यम से प्रभु में लीन हो जाएं तो हम अपनी इस जीवन रुपी नैया को पार लगा सकते हैं।

इसके लिए हमें सतगुरु की शरण लेनी होगी। उनकी शरण में ही में हम सिद्ध बन सकते हैं। दान, शील और तप के सहारे तथा हर प्राणी को सुख देने की भावना के साथ काम करते हुए हम भी सुखी बन सकते हैं।

शिष्य को अपनी हर बात गुरु के समक्ष रखना और समाधान पाना चाहिए। यहां पर सदैव ज्ञानी की आत्मा और पंडित की जिहवा बोलती है, इसलिये ज्ञानी सदैव समाधान और सलाह देने वाले होते हैं। धर्म, शांति और समाधि कर घर है। हमें उस प्रभुवाणी में गोता लगाकर तिरने का लक्ष्य रखना चाहिए।

मुनि ने कहा कि मैं शब्द से यदि नाता तोड़ दो तो आपका अभिमान स्वतः ही बिखर कर आत्मा से जुड़ जायेगा। अभिमान से जीवन बनता नही, बिगड़ता है अभिमान गिराता है और विनय सदा जीवन को उठाता है। संत, संत होता है उसकी कोई जाति नहीं होती।

सदैव मन, वचन और काया को वश में रखना चाहिए। संघ के उपाध्यक्ष त्रिलोकचंद बोथरा ने धन्यवाद दिया। मंत्री छगनमल लुणावत ने संचालन किया।

कुमावत समाज भवन में 'एक शाम महादेव के नाम' आयोजित

बेंगलूरु। कुमावत समाज सिटी कॉटनपेट के अंतर्गत श्रावण महीने के सोमवार को भजन संध्या का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें भजन कलाकार मुखीराम बंजारा एवं उनकी टीम द्वारा भोलेनाथ के भजनों की प्रस्तुति दी। समाज के फूलचंद मानिकचंद् सिंदड, अनिलकुमार मनोहरलाल अडॉनिया द्वारा आयोजित इस भजन संध्या में समाज के सदस्य परिवारों ने भाग लिया। जागरण में सतगुरु ऋषि महाराज बर राजस्थान व जैतारण रामावास के सरपंच जगदीश जांगिड़ भी मौजूद थे। समाज के अध्यक्ष मानिकचंद सिंदड़, राजूराम अडानिया ,संपत्त चांदोरा सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

'एलओपी' का मतलब 'लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा' नहीं होता : अनुराग ठाकुर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें यह पता होना चाहिए कि 'एलओपी' (विपक्ष के नेता) का मतलब 'लीडर ऑफ प्रोपेगैंडा' (दुष्प्रचार के नेता) नहीं होता है।

उन्होंने बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि राहुल गांधी को 'रील का नेता' नहीं बनना चाहिए और यह समझना चाहिए कि 'रीयल नेता' बनने के लिए सच बोलना पड़ता है। पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए कहा कि जो ''एक्सीडेंटल हिंदू'' हैं, उनका महाभारत का ज्ञान भी ''एक्सीडेंटल'' है। उन्होंने कहा, ''एक नेता ने 'कमल' पर कटाक्ष किया। न जाने क्या दिक्कत है। कमल को बुरा दिखाने का प्रयास किया गया। जनता ने हमें लगातार तीसरी बार सत्ता में बैठाने का काम किया है।'' कमल भाजपा का चुनाव चिह्न है। ठाकुर ने आरोप लगाया, ''आप (राहुल) कमल का अपमान नहीं कर रहे हैं, आप भगवान शिव, बुद्ध का अपमान कर रहे हैं।'' उन्होंने कटाक्ष किया, ''केवल रील के नेता मत बनिए, रीयल नेता बनने के लिए सच बोलना पड़ता है।'' उन्होंने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के एक उपन्यास का हवाला देते हुए कहा कि महाभारत और भारत की तुलना करके क्या लिखा गया है, उसे राहुल गांधी को पढ़ना चाहिए। ठाकुर ने कहा, ''जिस पार्टी के सर्वेसर्वा आप हैं वही कौरव पार्टी है।''

‘एमयूडीए घोटाले’ पर पदयात्रा निकालने से भाजपा के दो नेताओं ने असहमति जताई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), कांग्रेस और मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या को घेरने के लिए मैसूरु नगर विकास प्राधिकरण (मुडा) के कथित भूखंड आवंटन घोटाले को लेकर पदयात्रा निकालने की तैयारी कर रही है, लेकिन पार्टी के दो नेताओं ने इससे असहमति जताई है जो राज्य के मुख्य विपक्षी दल के लिए अहसज स्थिति पैदा करता है। भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित वित्तीय अनियमितताओं को उजागर करके राज्य की कांग्रेस सरकार को कठघरे में खड़ा करने के लिए ‘एक समानांतर मार्च’ आयोजित करने के वास्ते पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से अनुमति मांगी है।

> भाजपा विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल और रमेश जारकीहोली ने कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम लिमिटेड में कथित वित्तीय अनियमितताओं को उजागर करके राज्य की कांग्रेस सरकार को कठघरे में खड़ा करने के लिए ‘एक समानांतर मार्च’ आयोजित करने के वास्ते पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से अनुमति मांगी है।

दरअसल, दोनों विधायकों ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विजयेंद्र येडीयुरप्पा की खुलेआम आलोचना की है और उन पर ‘समायोजन की राजनीति’ में लिप्त होने और अपने पिता और पार्टी के वरिष्ठ नेता बी.एस येडीयुरप्पा के साथ पार्टी को अपने पूर्ण नियंत्रण में रखने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। विपक्षी भाजपा और जनता दल (सेकुलर) ने भूमि अधिग्रहण से प्रभावित लोगों को एमयूडीए द्वारा भूखंड आवंटन करने के दौरान कथित तौर पर फर्जीवाड़ा करने और सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती सहित अन्य को गलत तरीके से भूखंड देने के खिलाफ तीन से 10 अगस्त तक बेंगलूरु से मैसूरु तक पैदल मार्च निकालने का निर्णय लिया है। सूत्रों ने बताया कि दोनों भाजपा नेताओं की अगुवाई में समानांतर मार्च बेल्लारी से बेंगलूरु तक प्रस्तावित है, जिसमें सरकारी निगम में वित्तीय अनियमितताओं के साथ-साथ एमयूडीए घोटाले और सरकार द्वारा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए निर्धारित कोष को कथित तौर पर पांच गारंटी योजनाओं में लगाने के मुद्दे पर मुख्य रूप से ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

यतनाल ने आरोप लगाया, विजयेंद्र एमयूडीए के खिलाफ विरोध मार्च का आयोजन कर रहे हैं, उन्हें यह बताना होगा कि क्या यह लड़ाई सिद्दरामय्या को पद से हटाने और डी.के शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के लिए है। विजयेंद्र सिद्दरामय्या को पद से हटाने के लिए शिवकुमार के आदेश के अनुसार पदयात्रा निकाल रहे हैं। इसमें समायोजन की राजनीति है। शिवकुमार के प्रति आभार जताने के लिए विजयेंद्र इस पदयात्रा का आयोजन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि वाल्मीकि निगम घोटाला बहुत बड़ा है, क्योंकि जिस पैसे का इस्तेमाल एसटी समुदाय के कल्याण के लिए जाना चाहिए था, उसका दुरुपयोग किया गया है।

यतनाल ने कहा, दूसरी तरफ एमयूडीए घोटाले में एक दलित की जमीन छीन ली गई है। इसलिए हम सभी मुद्दों पर लड़ रहे हैं, हमारी लड़ाई कांग्रेस के भ्रष्टाचार के खिलाफ है, बिना किसी समायोजन की राजनीति के। जारकीहोली ने कहा, हम पार्टी (के केंद्रीय नेतृत्व) से अनुरोध करते हैं कि वह पार्टी को पिता-पुत्र (येडीयुरप्पा और विजयेंद्र) के चंगुल और उनके ब्लैकमेल से बाहर निकालने के लिए ऐतिहासिक निर्णय ले।

अवैध रूप से कर्नाटक में रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान कर उन्हें निर्वासित करेगी सरकार : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि प्रदेश में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत केंद्रों में भेजा जाएगा और उन्हें निर्वासित करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश के गृह मंत्री का यह बयान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की इस टिप्पणी के एक दिन बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि बेंगलुरु में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों से राज्य और राष्ट्र दोनों की सुरक्षा को खतरा है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि राज्य पुलिस बांग्लादेश से कर्नाटक आए लोगों की पहचान करेगी। परमेश्वर ने यहां एक सवाल के जवाब में संवाददाताओं से कहा, अगर उनके पास पासपोर्ट, वीजा जैसे वैध दस्तावेज नहीं हैं तो उन्हें तुरंत गिरफ्तार कर हिरासत केंद्रों में भेजा जाएगा, उसके बाद हम बांग्लादेश उच्चायोग या राजदूत को इसके बारे सूचित करेंगे और उन्हें निर्वासित करने के लिए कहेंगे। मंत्री ने भाजपा नेता एवं बेंगलूरु के पूर्व पुलिस आयुक्त बी भास्कर राव पर भी निशाना साधा। भास्कर ने कहा था कि बांग्लादेशी नागरिकों को निर्वासित करना संभव नहीं है, क्योंकि उन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। परमेश्वर ने कहा, आयुक्त के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान उनके लिए ऐसा करना संभव नहीं था, (लेकिन) अब हम ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम राज्य में कानून-व्यवस्था को मजबूत कर रहे हैं, चाहे कोई भी हो उन्हें कानून के खिलाफ जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। परमेश्वर ने यह भी कहा कि पुलिस नियमित आधार पर राज्य में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशी नागरिकों पर कार्रवाई कर रही है।

सी एच विजयशंकर ने राज्यपाल के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग। मैसूरु से दो बार के सांसद और पूर्व मंत्री सीएच विजयशंकर ने मंगलवार को मेघालय के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। मेघालय उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस वैद्यनाथन ने राजभवन के दरबार हॉल में विजयशंकर को शपथ दिलाई।

शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री कोनराड के. संगमा और राज्य सरकार के मंत्रियों के अलावा अन्य आमंत्रित लोग भी मौजूद थे।

कर्नाटक सरकार में मंत्री रहे 67 वर्षीय विजयशंकर को हाल ही में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मेघालय का राज्यपाल नियुक्त किया था। विजयशंकर ने फागू चौहान की जगह ली है।

टैंकर की चपेट में आने से एक स्कूटी चालक की मौत

मंगलूरु। मंगलूरु के नंतूर इलाके में मंगलवार को एक सड़क हादसे में एक स्कूटी चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि शिवानंद नामक युवक अपनी स्कूटी से नंतूर जंक्शन से केपीटी की ओर जा रहा था तभी पदुआ के पास जब वह फुटपाथ से सड़क पर आ रहा था तो विपरीत दिशा से आ रहे एक टैंकर ने उसकी स्कूटी को टक्कर मार दी । प्रवक्ता के अनुसार इस हादसे में शिवानंद की मौके पर ही मौत हो गयी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि टैंकर से टक्कर लगने से शिवानंद सड़क पर गिर गया और टैंकर का पिछला बायां टायर उसके सिर के ऊपर से गुजर गया। पुलिस शव को अस्पताल ले गयी और टैंकर चालक सुनीत के. के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फ्लेक्स बैनर को लेकर बीबीएमपी और पुलिस की समन्वय बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बीबीएमपी के मुख्य आयुक्त तुषार गिरि नाथ ने अधिकारियों को सूचित किया कि बीबीएमपी और पुलिस विभाग के संयुक्त अभियान के माध्यम से शहर में बिना प्राधिकरण के लगाए गए फ्लेक्स/बैनरों पर नियंत्रण के लिए एसओपी जारी की जाएगी। वे मंगलवार को पुलिस अधिकारी कार्यालय में बीबीएमपी के तहत अनाधिकृत रूप से लगाये जा रहे फ्लेक्स व बैनरों पर नियंत्रण के लिए निगम व पुलिस विभाग के साथ आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। शहर में अनधिकृत फ्लेक्स और बैनरों पर नियंत्रण के लिए निगम और पुलिस विभाग के समन्वय से काम करने के लिए एक उपयुक्त मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की जाएगी। तदनुसार, उन्होंने शहर में अनधिकृत विज्ञापनों की स्थापना को सख्ती से नियंत्रित करने के लिए सख्त कदम उठाने का निर्देश दिया।

निगम की संबंधित क्षेत्रीय सीमाओं के अंतर्गत मुद्रण इकाइयों की एक सूची बनाई जानी चाहिए और पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के सहयोग से सभी मुद्रण इकाइयों का दौरा किया जाना चाहिए और किसी भी कारण से अनधिकृत विज्ञापन मुद्रित करने के प्रति आगाह किया जाना चाहिए। निगम की अनुमति के बिना छपे किसी भी अनाधिकृत विज्ञापन को जब्त करने, जुर्माना लगाने और कानूनी कार्रवाई करने की सलाह दी गई।

रात में गश्त कर निगरानी

निगम के संबंधित जोन में अनाधिकृत विज्ञापनों पर नजर रखने के लिए जोन में एक गश्ती वाहन की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। इस संबंध में पुलिस विभाग के अधिकारी/कर्मचारी रात्रि गश्त भी करेंगे तथा इस समय अनाधिकृत रूप से लगाये जाने वाले फ्लेक्स/बैनरों पर निगरानी रखने का भी अनुरोध पुलिस विभाग द्वारा किया गया है। अनाधिकृत फ्लेक्स और बैनरों के नियंत्रण के लिए संबंधित क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस थानावरी निगम से एक नोडल अधिकारी तैनात किया जाना चाहिए। इससे निगम और पुलिस विभाग के बीच समन्वय स्थापित करने में आसानी होगी। इसलिए जोनल कमिश्नर को तत्काल प्रत्येक थाने के लिए एक नोडल अधिकारी तैनात करने का निर्देश दिया गया।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि अगर शहर में अनाधिकृत फ्लेक्स/बैनर लगें तो वे निगम के हेल्पलाइन नंबर 1533 पर कॉल कर सूचना दे सकते हैं। बैठक में राजस्व विभाग के विशेष आयुक्त ने बताया कि शहर में अनाधिकृत रूप से लगाये जा रहे फ्लेक्स व बैनर को लेकर निगम एक एप्लीकेशन तैयार करने पर विचार कर रहा है। बेंगलूरु शहर के पुलिस आयुक्त दयानंद ने कहा कि शहर के सार्वजनिक स्थानों और प्रमुख सड़कों पर अनाधिकृत रूप से फ्लेक्स और बैनर लगाए जाने से काफी समस्याएं हो रही हैं और इसे नियंत्रित करने के लिए पुलिस विभाग निगम के साथ पूरा सहयोग करेगा। उन्होंने कहा कि अवैध रूप से फ्लेक्स बैनर लगाने वालों के खिलाफ कर्नाटक ओपन प्लेस एक्ट (केओपीडी) के साथ-साथ अन्य अधिनियमों के तहत सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने पुलिस अधिकारियों को इस संबंध में सक्रिय अभियान चलाकर अनधिकृत विज्ञापनों पर अंकुश लगाने के लिए निगम के साथ हाथ मिलाने का निर्देश दिया। राजस्व विभाग के विशेष आयुक्त मुनीष मौदगिल ने कहा कि 1 जुलाई 2024 से शहर में अनाधिकृत फ्लेक्स/बैनरों पर नजर रखी जा रही है, 8500 से अधिक फ्लेक्स/बैनर हटा दिए गए हैं और 180 से अधिक एफआईआर दर्ज की गई हैं। शहर में अक्सर लगाए जाने वाले फैक्स/बैनर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम 1986 और कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी दिशानिर्देशों के विरुद्ध हैं, जो कि अवैध है। उन्होंने कहा कि भले ही निगम के अधिकार क्षेत्र में कोई भी विज्ञापन लगाने के लिए निगम अधिनियम की धारा 158 के तहत निगम की अनुमति अनिवार्य है, क्योंकि जनता इसे सार्वजनिक स्थानों, मैदानों, पार्कों, सड़क के किनारों, फुटपाथों, फ्लाईओवरों पर प्रदर्शित कर रही है। बिना किसी अनुमति के बिजली के खंभे लगाने पर निगम अधिनियम का उल्लंघन माना जाएगा और निगम अधिनियम की धारा 326 के तहत मामला दर्ज किया जाएगा। इस मौके पर जोन कमिश्नर डॉ. आरएल दीपक, रमेश, शिवानंद कपाशी, राम्या, स्नेहल, विनोथ प्रिया, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त सतीश कुमार, रमन गुप्ता, डीसीपी, एसीपी, विज्ञापन उपायुक्त, सहायक आयुक्त और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

भूस्खलन मलबे को साफ करने के लिए कर्नाटक पीडब्ल्यूडी की सहायता

बेंगलूरु। वायनाड में हुए भूस्खलन से मलबे को हटाने के कार्य में कर्नाटक लोक निर्माण विभाग ने आवश्यक जेसीबी, क्रेन, और अन्य भारी वाहन उपलब्ध कराएं हैं। चामराजनगर जिला प्रशासन ने गुंडलूपेट तालुक और जिले के आस-पास के इलाकों से असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले नियमित रूप से वहां जाने वाले श्रमिकों के रिश्तेदारों और परिचितों को सूचित करने के लिए 24/7 हेल्पलाइन स्थापित की है। जनता से अनुरोध है कि वे हेल्पलाइन नंबर- 08226-223161, 223163, 223160 या व्हाट्सएप नंबर 9740942902 पर संपर्क करें। गुंडलूपेट से गुजरने वाले बेंगलूरु-वायनाड राष्ट्रीय राजमार्ग 766 पर एहतियात के तौर पर यातायात रोक दिया गया है। यात्रियों को गुंडलूपेट-बांदीपुर-गुडालूर मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। मैसूरु जिला प्रशासन ने हेग्गादेवनकोटे तालुक अस्पताल और केआर अस्पताल, मैसूरु में चिकित्सा उपचार के लिए सभी तैयारियाँ कर ली हैं। घायलों को अस्पताल पहुँचाने के लिए पर्याप्त बसें और वाहन तैयार किए गए हैं। शवों को सुरक्षित रखने के लिए कोल्ड स्टोरेज इकाइयों के आपूर्तिकर्ताओं की पहचान कर ली गई है।

मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने वायनाड त्रासदी पर दुख जताया

बेलगावी। महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि केरल के वायनाड में भूस्खलन के कारण 90 से अधिक लोगों की मौत की घटना से मुझे गहरा सदमा लगा है। उन्होंने कहा कि मैं भगवान से प्रार्थना करती हूं कि कई अन्य लोग भी मिट्टी के नीचे फंसे हुए हैं और जीवित बाहर आएं। इस त्रासदी में मरने वालों की आत्मा को शांति मिले। मंत्री ने एक विज्ञप्ति में कहा कि वह प्रार्थना करते हैं कि भगवान मृतक के परिवार को शक्ति देंगे। कर्नाटक के ज्यादातर हिस्सों में भारी बारिश हो रही है और लोगों को सावधान रहना चाहिए। मंत्री ने अनुरोध किया कि उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

वायनाड भूस्खलन मामले में केरल को हरसंभव सहायता मुहैया कराने के लिये कर्नाटक प्रतिबद्ध : सिद्दरामय्या

बेंगलूरु। केरल के वायनाड जिले में भूस्खलन में लोगों की मौत पर दुख प्रकट करते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मंगलवार को कहा कि उनका प्रदेश पड़ोसी राज्य को हरसंभव सहायता मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। सिद्दरामय्या ने ‘एक्स’ पर एक पोस्ट में कहा, वायनाड में आई विनाशकारी बाढ़ से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। इस चुनौतीपूर्ण समय में कर्नाटक, केरल को हर संभव सहायता मुहैया कराने के लिए प्रतिबद्ध है। भारी बारिश के कारण पहाड़ी जिले में हुए भूस्खलन में मंगलवार को कम से कम 97 लोगों की मौत हो गयी है।

कांग्रेस ‘एमयूडीए घोटाले’ को लेकर विपक्ष की पदयात्रा का जवाब जनसभा से देगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृहमंत्री जी परमेश्वर ने मंगलवार को कहा कि सत्तारूढ़ कांग्रेस ने कथित मैसुरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) भू-आवंटन घोटाले को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर (जद-एस) की पदयात्रा का मुकाबला करने के लिए जनसभाएं आयोजित करने की योजना बनाई है।

> किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि एमयूडीए ने उनकी पत्नी पार्वती की जमीन अवैध तरीके से लेने के एवज में उन्हें 14 आवासीय भूखंड वैध तरीके से आवंटित किए। एमयूडीए ने पार्वती को 3.15 एकड़ जमीन के बदले में 50:50 के अनुपात से भूखंड आवंटित किये थे जिन्हें प्राधिकरण ने आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया था।

दोनों विपक्षी दलों--भाजपा और जद(एस) ने मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती सहित भूमि गंवाने वाले अन्य लोगों को प्राधिकरण द्वारा गलत तरीके से भूखंड आवंटित किये जाने के विरोध में तथा उनके (सिद्दरामय्या के) इस्तीफे की मांग करते हुए तीन से 10 अगस्त तक बेंगलूरु से मैसूरु तक पदयात्रा करने का निर्णय लिया है। गृहमंत्री ने कहा कि पुलिस उन्हें पदयात्रा की अनुमति नहीं देगी लेकिन वह उन्हें रोकेगी भी नहीं। हालांकि, उन्होंने कानून का उल्लंघन करने वाली गतिविधियों के खिलाफ चेतावनी दी। मंगलवार की दिल्ली यात्रा से पहले सोमवार रात सिद्दरामय्या से परमेश्वर ने मुलाकात की थी। गृह मंत्री ने विपक्ष पर दुष्प्रचार करने और गलत जानकारी फैलाने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा, हम (कांग्रेस) भी लोगों को यह बताने का प्रयास करेंगे कि सच्चाई क्या है। उनके द्वारा झूठ फैलाने की शुरुआत करने से एक दिन पहले हम लोगों को सच्चाई बताएंगे। चाहे वह मांड्या, बिदादी, रामनगर, या मैसूरु हो – हम (दो अगस्त को इन स्थानों पर) जनसभाएं करके लोगों को बताएंगे कि सच्चाई क्या है।

पदयात्रा की अनुमति पुलिस द्वारा नहीं दिये जाने पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने मंगलवार को कहा कि विपक्ष नहीं झुकेगा। उन्होंने कहा, यदि वह (सरकार) इसे दबाने की चेष्टा करती है तो यह उस स्तर तक पहुंच जाएगी जिसकी कल्पना नहीं की जा सकती। सरकार हमें रोक नहीं सकती।

जब परमेश्वर से पूछा गया कि क्या बिना अनुमति के पदयात्रा निकालने पर विपक्ष के सदस्यों को गिरफ्तार किया जाएगा तो गृहमंत्री ने कहा, उन्हें पदयात्रा करने दीजिए, पहले जब (भाजपा सरकार ने) हमें ऐसा करने की अनुमति नहीं दी थी तब क्या हमने ऐसा नहीं किया? हम ऐसी चीजें (मामला दर्ज करने या गिरफ्तार करने) नहीं करेंगे। गृह मंत्री ने कहा, ‘‘यदि वे कानून का उल्लंघन करेंगे तो हम प्राथमिकी दर्ज करेंगे, यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो हम कार्रवाई क्यों करेंगे? कोई भी ऐसा अनावश्यक नहीं करेगा।’’

किसी भी प्रकार की गड़बड़ी से इनकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा है कि एमयूडीए ने उनकी पत्नी पार्वती की जमीन अवैध तरीके से लेने के एवज में उन्हें 14 आवासीय भूखंड वैध तरीके से आवंटित किए। एमयूडीए ने पार्वती को 3.15 एकड़ जमीन के बदले में 50:50 के अनुपात से भूखंड आवंटित किये थे जिन्हें प्राधिकरण ने आवासीय क्षेत्र के रूप में विकसित किया था। इस विवादास्पद योजना में एमयूडीए क्षेत्र विकसित करने के लिए अधिग्रहित अविकसित भूमि के बदले में जमीन देने वालों को 50 प्रतिशत विकसित भूमि आवंटित की गई।

केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने वायनाड भूस्खलन त्रासदी पर गहरा दुख व्यक्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय भारी उद्योग और इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी ने वायनाड जिले में हाल ही में हुए भूस्खलन के पीड़ितों और प्रभावित परिवारों के प्रति गहरा दुख और एकजुटता व्यक्त की है। मंगलवार को हुए

विनाशकारी भूस्खलन से जान-माल का काफी नुकसान हुआ है और निवासियों को विस्थापित होना पड़ा है, जिससे राहत और बचाव प्रयासों की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया है। अपने बयान में कुमारस्वामी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा, वायनाड में हुई दुखद घटनाओं से मैं बहुत दुखी हूं। इस प्राकृतिक आपदा ने हमारे साथी नागरिकों को अकल्पनीय पीड़ा पहुंचाई है, और मेरी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उन लोगों के साथ हैं जो प्रभावित हुए हैं।

कुमारस्वामी ने पीड़ितों को राहत और सहायता प्रदान करने के लिए तत्काल कार्रवाई करने का आह्वान किया। उन्होंने राज्य और केंद्र सरकार के अधिकारियों से बचाव कार्यों में तेजी लाने, आवश्यक आपूर्ति सुनिश्चित करने और विस्थापित परिवारों को व्यापक सहायता प्रदान करने का आग्रह किया। उन्होंने आगे के जोखिमों को कम करने और भविष्य की त्रासदियों को रोकने के लिए समन्वित प्रतिक्रिया की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने जरूरतमंद लोगों की सहायता और समर्थन के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अथक परिश्रम करने वाले बचाव दलों, स्वयंसेवकों और स्थानीय अधिकारियों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

कुमारस्वामी ने एकता की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, इस कठिन समय में, हमें एक समुदाय के रूप में एक दूसरे का समर्थन करने और पुनर्निर्माण करने के लिए एक साथ आना चाहिए। मैं हर संभव तरीके से सहायता करने के लिए तैयार हूं और इस आपदा के बाद के हालात से निपटने के लिए आवश्यक उपायों की वकालत करना जारी रखूंगा। कुमारस्वामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के मुख्यमंत्री से बात करके तथा बचाव प्रयासों के लिए पूर्ण समर्थन का वचन देकर त्वरित प्रतिक्रिया दी है। मैं प्रधानमंत्री की त्वरित प्रतिक्रिया की सराहना करता हूँ। वायनाड भूस्खलन ने संवेदनशील क्षेत्रों में बेहतर बुनियादी ढांचे और आपदा तैयारियों की तत्काल आवश्यकता को उजागर किया है। कुमारस्वामी ने भविष्य की आपदाओं से समुदायों की सुरक्षा के लिए मजबूत आपदा प्रबंधन प्रणालियों और निवारक उपायों में निवेश के महत्व को दोहराया।

बेंगलूरु में मंगलवार को हुई बारिश से शहर सरोबार हो गया।

घर में काम करने वाले ही निकले चोर, 30 लाख की वस्तुएं बरामद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मालिक के घर से सोना, चांदी और डायमंड की बहुमूल्य वस्तुओं को चुराने के आरोप में एक महिलाकर्मी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इनके पास से 30 लाख रुपए मूल्य की वस्तुएं बरामद हुई हैं। पुलिस आयुक्त पी. दयानंद ने बताया कि मारथहल्ली पुलिस थाना क्षेत्र में एक घर से लगभग 60 लाख रुपए की कीमती वस्तुएं चुराकर यह महिलाकर्मी फरार हो गई थी। पुलिस ने जब महिला कर्मी दिव्या को पकड़ा तो घर में काम करने वाली एक अन्य महिला मंजु और कार ड्राइवर चौमन भी उसके साथ इस कृत्य में शामिल थे।

इन लोगों ने लगभग 60 लाख रुपए मूल्य की चोरी की थी। पुलिस ने तीनों को गिरफ्तार कर इनसे पूछताछ कर रही है। वहीं एक अन्य मामले में पुलिस ने अब्दुल रज़्ज़ाक नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 32 मोबाइल फोन जब्त किए हैं। यह सभी उसने चुराए थे। कई जगह तो वह छीन कर भाग गया था। वहीं कई जगह मौका देखकर चोरी की थी।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

नवनियुक्त राज्यपाल बागड़े जयपुर पहुंचे, आज शपथ लेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के नवनियुक्त राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे मंगलवार दोपहर राजकीय विमान से जयपुर पहुंचे। वह बुधवार को शपथ लेंगे। हवाईअड्डे पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पुष्प गुच्छ भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा एवं अन्य मंत्रियों, मुख्य सचिव सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक यू आर साहू सहित वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों ने भी उनकी अगवानी की।

मुख्यमंत्री ने मंत्रिमंडल के सदस्यों का नवनियुक्त राज्यपाल बागडे से परिचय कराया। हवाई अड्डे पर आरएसी की बटालियन ने नवनियुक्त राज्यपाल को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया । बागडे ने परेड की सलामी ली और सम्मान गारद का निरीक्षण किया। नवनियुक्त राज्यपाल बागडे का राजभवन पहुंचने पर स्वागत किया गया। उन्हें राजभवन में 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। राजभवन पहुंचने पर राज्यपाल के सचिव गौरव गोयल ने पुष्प गुच्छ भेंट कर बागडे की अगवानी की। बागडे ने राजभवन पहुंचने के बाद सबसे पहले भगवान शिव की पूजा-अर्चना की। उन्होंने राजभवन स्थित राज राजेश्वर मंदिर में जलार्पण कर तथा बिल्व पत्र और प्रसाद अर्पण कर सबके मंगल की कामना की। बागडे ने राजभवन पहुंचने के बाद राज्यपाल कलराज मिश्र से भी मुलाकात की। राजभवन के बयान के अनुसार राजस्थान के नवनियुक्त राज्यपाल बागडे बुधवार को राजभवन में शाम चार बजे आयोजित समारोह में शपथ ग्रहण करेंगे। मुख्य न्यायाधीश मनिन्द्र मोहन श्रीवास्तव नवनियुक्त राज्यपाल को शपथ दिलावाएंगे।

धौलपुर में टैंकर ने घर के बाहर बैठे दो युवकों को कुचला

जयपुर। राजस्थान के धौलपुर में आगरा-मुंबई हाईवे पर एक टैंकर ने घर के बाहर बैठे दो युवकों को कुचल दिया, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरड़ा ने बताया कि यह हादसा सोमवार देर रात हुआ, जब एक अनियंत्रित टैंकर ने जगदीश (22) और विजय (28) को उस समय टक्कर मार दी, जब वे एक घर के बाहर बैठे थे। इस हादसे में घर का एक हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। मेहरड़ा ने बताया कि घटना से गुस्साए स्थानीय लोगों ने हाईवे जाम कर दिया और दुर्घटनास्थल के दूसरी तरफ स्थित परिवहन विभाग की चौकी में आग लगा दी।

मेहरड़ा व अन्य अधिकारी और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर लोगों को शांत कराया, जिसके बाद हाईवे को खोला गया और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया। मेहरड़ा ने बताया कि टैंकर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है।

शिक्षा विभाग के कैलेंडर में 5 अगस्त को स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस मनाने का प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान शिक्षा विभाग द्वारा सरकारी स्कूलों के नए सत्र के लिए जारी शैक्षणिक कैलेंडर (शिविरा पंचांग) से राजनीतिक बहस शुरू हो गई है क्योंकि इसमें पांच अगस्त को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाए जाने के उपलक्ष्य में स्वर्ण मुकुट मस्तक दिवस मनाने का प्रस्ताव है। इसमें 28 मई को वीर सावरकर जयंती मनाए जाने की घोषणा भी की गई है। उल्लेखनीय है कि पांच अगस्त 2019 को जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले संविधान के अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया गया था।

शिक्षा विभाग ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए कैलेंडर शिविरा पंचांग रविवार को जारी किया। इसमें चार फरवरी को सूर्य नमस्कार दिवस, सात फरवरी को छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, 14 फरवरी को मदर्स डे-फादर्स डे और 23 जनवरी को सुभाष चंद्र बोस दिवस के तौर पर शामिल किया गया है। कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने स्कूलों में, जम्मू कश्मीर को विशेष राज्य का दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को हटाए जाने का जश्न मनाने के भाजपा सरकार के फैसले की आलोचना की। उन्होंने कहा कि सरकार का यह कदम शैक्षिक के बजाय राजनीतिक हितों को साधने वाला है।

डोटासरा ने कहा, कांग्रेस शिक्षा के इस राजनीतिकरण और राज्य सरकार द्वारा छात्रों पर अपनी विभाजनकारी विचारधारा थोपे जाने का विरोध करती है। इससे पहले प्राथमिक विद्यालय शिक्षा विभाग ने नौ जुलाई को अपना वार्षिक कैलेंडर प्रकाशित किया था जिसमें राम मंदिर के अभिषेक के उत्सव को शामिल किया गया था। उल्लेखनीय है कि 26 फरवरी को कार्यभार संभालने के बाद स्कूली शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के, इतिहास में चित्रण की आलोचना की थी। उनका तर्क था कि पिछली कहानियों में मुगल बादशाह अकबर का गलत तरीके से महिमामंडन किया गया था। उन्होंने कहा था कि स्वतंत्रता संग्राम में सावरकर की भूमिका को इतिहास में गलत तरीके से लिखा गया है। कांग्रेस प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने नए कैलेंडर की निंदा करते हुए कहा कि यह शिक्षा का राजनीतिकरण करने और हिंदुत्व विचारधारा का प्रचार करने का प्रयास है। उन्होंने मंत्री के दृष्टिकोण की आलोचना करते हुए कहा कि इसमें शिक्षा पर ध्यान नहीं दिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों को सावरकर के बारे में पढ़ाना है, जिन्होंने अंग्रेजों से लड़ने के बजाय उनसे माफी मांगी थी।

वहीं भाजपा के प्रवक्ता मुकेश पारीक ने कैलेंडर का बचाव करते हुए कांग्रेस पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा का इरादा छात्रों को सावरकर और महाराणा प्रताप जैसी हस्तियों के बारे में शिक्षित करना है क्योंकि वह मानती है कि इनकी कहानियां उन्हें प्रेरित करेंगी। उन्होंने कहा, भाजपा सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि छात्र महाराणा प्रताप और सावरकर जैसे महान नेताओं के जीवन से प्रेरणा लें। माध्यमिक शिक्षा विभाग के कैलेंडर में दूसरे और चौथे शनिवार को नो बैग डे जैसी पहल और स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस और गांधी जयंती जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों का उत्सव मनाना भी शामिल है।

अलवर कारागृह में पुलिस अधिकारियों ने भारी बल के साथ ली तलाशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में दौसा के केंद्रीय कारागृह के कैदी की ओर से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मिली धमकी के बाद मंगलवार को अलवर के केंद्रीय कारागृह में भारी पुलिस बल के साथ अधिकारियों ने तलाशी ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेजपाल और उपखंड अधिकारी वीरेंद्र आर्य के नेतृत्व में छह थानेदार और 100 से अधिक पुलिस कर्मियों ने सुबह कारागृह को खंगाला, लेकिन वहां कुछ नहीं मिला। तलाशी के बाद तेजपाल सिंह ने बताया कि कारागृह का आकस्मिक निरीक्षण किया गया और इस तरह की जांच करते रहते हैं। उन्होंने बताया कि 100 से अधिक पुलिस के जवानों ने हर बैरिक में जाकर गहनता से जांच की। फिलहाल वहां कोई आपत्तिजनक सामान नहीं मिला। यह सामान्य जांच है, जो हर महीने की जाती है।

सिंह ने बताया कि दौसा कारागृह के कैदी की ओर से मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा को जान से मारने की धमकी दी गई थी। धमकी का अलवर कारागृह से कोई सम्बंध नहीं है। आगे भी जांच अभियान जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि पूरे नौ वार्डों की सघन तलाशी ली गई । इनमें 993 कैदी हैं जिनमें 25 महिला कैदी हैं। वहां कहीं से कुछ नहीं मिला। यही रिपोर्ट जेल प्रशासन ने आगे उच्च अधिकारियों को भेजी है।

जयपुर में कोचिंग सेंटर पर बड़ी कार्रवाई: गुरुकृपा कोचिंग सीज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। दिल्ली में यूपीएससी कोचिंग सेंटर में बच्चों की मौत के बाद, जयपुर में कोचिंग सेंटरों पर कड़ी कार्रवाई शुरू हो गई है। जयपुर ग्रेटर नगर निगम ने रिद्धि-सिद्धि स्थित गुरुकृपा कोचिंग सेंटर को सुरक्षा खामियों और अन्य अनियमितताओं के चलते सीज कर दिया है।

इस कदम से कोचिंग सेंटरों में हड़कंप मच गया है और मामले की गंभीरता को देखते हुए एक छह सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है।

गुरुकृपा कोचिंग सेंटर में सुरक्षा के इंतजाम नदारद पाए गए। वहां एक ही हॉल में 700 बच्चे बैठते थे, जबकि एग्जिट एक ही थी। यह स्थिति किसी भी आपातकालीन स्थिति में बहुत खतरनाक हो सकती है।

कोचिंग सेंटर में कमरों की क्षमता से अधिक स्टूडेंट्स पाए गए, जिससे धड़कनों की बढ़ती हुई संख्या और भीड़-भाड़ की स्थिति उत्पन्न हुई। कोचिंग सेंटर पर यूडी टैक्स बकाया था और फायर एनओसी की भी अनुपस्थिति पाई गई। ये दोनों तत्व संस्थान की वैधता और सुरक्षा के लिए आवश्यक हैं।

गुरुकृपा कोचिंग सेंटर के बाद, नगर निगम ने अन्य कोचिंग संस्थानों की भी जांच शुरू की है। इनमें कलाम कोचिंग संस्थान भी शामिल है, जहां क्षमता से अधिक स्टूडेंट्स पाए गए हैं। भवन निर्माण स्वीकृति की भी जांच की जा रही है। छात्रों ने आरोप लगाया है कि भारी भरकम फीस लेने के बावजूद, कोचिंग सेंटर में आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध नहीं करवाई जातीं। उनकी मजबूरी है कि वे खुलकर विरोध नहीं कर सकते। नगर निगम की जांच के बाद, कोचिंग संस्थानों के लिए नए सुरक्षा मानदंड तय किए जाएंगे और उन संस्थानों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी जो नियमों का पालन नहीं करते हैं। इस बीच, छात्रों की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए भी कदम उठाए जाएंगे।

अपशब्द बोलने का मामला

विधानसभा ने शांति धारीवाल पर दो दिन सदन की कार्यवाही में भाग लेने पर लगाई रोक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विधानसभा में सभापति पर बैठे कोटा विधायक संदीप शर्मा को अपशब्द बोलने के मामले में पक्ष-विपक्ष के तर्क सुनने के बाद स्पीकर वासुदेव देवनानी ने कांग्रेस विधायक और पूर्व नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल पर दो दिन के लिए सदन की कार्यवाही में भाग लेने पर रोक लगा दी है। यह व्यवस्था देते हुए देवनानी ने कहा कि पूर्व के आचरण को देखते हुए यह बहुत गंभीर मामला है। उनकी इच्छा तो थी कि ऐसे सदस्य को अगले 4 साल के लिए इस सदन में आने ही नहीं दिया जाए। लेकिन, पक्ष विपक्ष के सदस्यों की भावना को देखते हुए वे यह व्यवस्था दे रहे हैं कि संबंधित सदस्य धारीवाल विधानसभा तो आ सकेंगे लेकिन, आज और कल दो दिन सदन की कार्यवाही में भाग नहीं ले सकेंगे।

देवनानी ने यह भी स्पष्ट किया कि सदन की गरिमा बनाए रखना उनके अध्यक्षीय पद का दायित्व है। लेकिन, आज की इस व्यवस्था को गंभीरता से लिया जाना चाहिए। इसलिए वे अंतिम चेतावनी दे रहे हैं कि उन्हें भविष्य में कड़े फैसले लेने पर मजबूर ना किया जाए। क्योंकि धारीवाल के आचरण से केवल उनकी खुद की नहीं बल्कि पूरे सदन की प्रतिष्ठा को आघात पहुंचा है।

इससे पहले सदन में विधायक शांति धारीवाल ने खेद प्रकट करते हुए कहा कि आसन पर मौजूद सभापति संदीप शर्मा उनके बेटे के दोस्त के दोस्त हैं। इसलिए उन्हें लगा कि संदीप आसन पर नहीं बल्कि उनके सामने बैठे हैं। इसलिए उनके मुंह से ऐसे शब्द निकल गए। विधायक संदीप के साथ उनके बहुत अच्छे संबंध हैं, वे उनकी बातों का कभी बुरा नहीं मानते। फिर भी वे सदन में खेद प्रकट करते हैं।

प्रारंभ में भाजपा के श्रीचंद कृपलानी ने शून्यकाल में यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि धारीवाल ने सदन में न केवल मां-बहन की गालियां दी बल्कि साला जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने ऐसा करके केवल संदीप शर्मा को ही नहीं बल्कि सदन की गरिमा को ठेस पहुंचाई है। यह उनका पहला आचरण नहीं है। 15वीं विधानसभा में भी उन्होंने इसी सदन में राजस्थान को मर्दों वाला प्रदेश बताया था। इसलिए उन पर सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और सरकारी मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने धारीवाल के आचरण की चर्चा करते हुए उन पर सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की ताकि इस सदन में नजीर बन सके। विधायक संदीप शर्मा ने भी इस विषय पर अपने विचार रखे।

कांग्रेस विधायक राजेंद्र पारीक ने कहा कि धारीवाल जी ने जो शब्द बोले- वे वाकई गलत हैं। लेकिन, उन्हें उसी वक्त कार्यवाही से निकाल दिया जाता तो इसका सदन में दुबारा उल्लेख नहीं होता। सदन की ऐसी परंपरा रही है। जो शब्द बोले गए हैं, वह धारीवाल जी ने वैमनस्यतापूर्ण अथवा खराब मंशा से नहीं बोले हैं। विधायक गोविंद डोटासरा ने कहा कि सदन की गरिमा बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। धारीवाल जी ने जो शब्द बोले- वे वाकई में गलत थे। हम उन शब्दों को जायज नहीं ठहरा सकते। वे शब्द किन परिस्थितियों में, किस अवस्था में निकले। यह अलग बात है। लेकिन, उन्हें कार्यवाही से निकाल दिया जाता तो मामला यहां शांत हो जाता है। इसके लिए हम माफी चाहते हैं। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा कि जिस समय धारीवाल जी द्वारा ये शब्द बोले गए, उस समय पूरे सदन में किसी ने टोका भी नहीं। जबकि वे खुद भी सदन में मौजूद थे। आसन पर मौजूद सभापति संदीप शर्मा ने खुद यह स्वीकार किया है कि सदन की कार्यवाही समाप्त होने के बाद मीडिया के माध्यम से यह विषय उनके ध्यान में आया। इसलिए वे भी इसके लिए सदन में खेद प्रकट करते हैं।

प्रदेश में पेयजल किल्लत, बिजली आपूर्ति और कानून व्यवस्था में फेल भाजपा के खिलाफ होगा प्रदर्शन : डोटासरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी मुख्यालय जयपुर पर मंगलवार को राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने प्रदेश भर से जयपुर आये कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों से मुलाकात की तथा प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों के साथ प्रदेश भर में पेयजल की किल्लत तथा भीषण गर्मी में सरकार द्वारा बिजली की आपूर्ति करने में विफल रहने के साथ ही प्रदेश भर में बेपटरी हो रही कानून-व्यवस्था की स्थिति पर चर्चा कर प्रदेश की भाजपा सरकार के विरूद्ध प्रदर्शन करने का निर्णय लिया। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव व प्रवक्ता स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि प्रदेश की भाजपा सरकार सत्ता में आने के पश्चात प्रदेशवासियों को मूलभूत सुविधायें प्रदान करने में विफल रही है। प्रदेश में भीषण गर्मी के बावजूद बिजली की आपूर्ति बाधित है तथा गांवों एवं छोटे कस्बों में अघोषित रूप से 4 से 18 घण्टे तक बिजली की कटौती की जा रही है जिस कारण प्रदेश की जनता को कष्ट का सामना करना पड़ रहा है।

साथ ही प्रदेश की भाजपा सरकार ने बिजली के बिलों में फिक्स्ड चार्जेज की दर को बढ़ाकर आमजन पर आर्थिक बोझ डालने का जनविरोधी निर्णय लिया है। प्रदेश में अनेक जिले पेयजल संकट का सामना कर रहे हैं किन्तु प्रदेश सरकार इन जिलों में पीने योग्य पानी पहुँचाकर प्यास बुझाने में विफल रही है जिस कारण लोगों को दूरस्त स्थान से पैदल जाकर पानी ढोकर लाना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कानून-व्यवस्था बेपटरी हो गई है, राजस्थान की राजधानी सहित पूरे प्रदेश में महिलाओं के साथ दुष्कर्म, हत्या, अपहरण, चैन स्नेचिंग जैसे गंभीर अपराध प्रतिदिन अखबार की सुर्खियां बनते हैं तथा आमजन स्वयं को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहा है।

स्वर्णिम चतुर्वेदी ने बताया कि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने सभी जिला एवं ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों को निर्देशित किया है कि आमजन की पीड़ा को दूर करने में भाजपा की प्रदेश सरकार के विफल रहने तथा प्रदेशवासियों को पेयजल, बिजली की आपूर्ति करने में असफल रहने एवं प्रदेश की बिगड़ती कानून व्यवस्था के विरोध में दिनांक 01 व 02 अगस्त, 2024 को सभी जिला एवं ब्लॉक स्तर पर धरना/प्रदर्शन आयोजित करें।

खान विभाग ने शुरु किया बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन, 24 मेजर मिनरल ब्लॉकों की ई नीलामी प्रक्रिया शुरु : आनन्दी

जयपुर, 30 जुलाई। खान सचिव श्रीमती आनन्दी ने कहा है कि खान विभाग से संबंधित बजट घोषणाओं के समयवद्ध क्रियान्वयन के लिए रोडमैप तैयार कर आवश्यक कार्रवाई शुरु कर दी गई है। उन्होंने बताया कि बजट घोषणा की क्रियान्विति में इस साल मेजर मिनरल के 100 माइनिंग ब्लॉक तैयार कर ऑक्शन करने की घोषणा का क्रियान्वयन करते हुए 24 मिनरल ब्लॉकों की ई नीलामी की प्रक्रिया आरंभ कर दी गई है। इससे पहले 19 ब्लॉकों की नीलामी करते हुए इनमें से दो ब्लॉकों के प्रिफर्ड बिडरों की घोषणा किया जाना है। इससे पहले बजट घोषणा के क्रियान्वयन में आरएसजीएल द्वारा सीएनजी की दरों में कमी की जा चुकी है। खान सचिव श्रीमती आनन्दी मंगलवार को खनिज भवन से वर्चुअली निदेशक माइंस भगवती प्रसाद कलाल और विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों से रुबरु हो रही थी। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया में सरलीकरण व आवश्यक संशोधन से संबंधित घोषणाओं के क्रियान्वयन के लिए सुझाव देने हेतु अधिकारियों की कमेटी को शीघ्र रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं वहीं मुख्यालय और राज्य सरकार स्तर से संबंधित बजट घोषणाओं पर कार्रवाई शुरु हो चुकी है। उन्होंने कहा कि बजरी के विकल्प की एम-सेंड नीति को व्यावहारिक बनाने के निर्देश दिए ताकि प्रदेश में एम सेंड आधारित उद्योग लगे, ओवर बर्डन का उपयोग हो सके, बजरी का सस्ता विकल्प धरातल पर उतर सके और निवेश व रोजगार के अवसर विकसित हो सके।

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 5 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोले जाएंगे : दीया कुमारी

जयपुर/दक्षिण भारत। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती दीया कुमारी ने मंगलवार को विधानसभा में कहा कि इस वर्ष बजट में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 5 नए आंगनबाड़ी केंद्र खोलने की घोषणा की गई है। उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण का कार्य पंचायतीराज, स्थानीय निकाय एवं राजस्व विभाग से नि:शुल्क भूमि आंवटन हो जाने पर विभाग द्वारा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर किया जाता है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस सम्बन्ध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रही थीं। उन्होंने बताया कि सूरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में आंगनबाड़ी केन्द्रों के 28 नवीन भवन निर्माण के लिए वर्ष 2017-18 में जिला परिषद श्री गंगानगर द्वारा प्रशासनिक व वित्तीय स्वीकृति जारी की गयी। इनमें से 17 निर्माण पूरे किये जा चुके हैं तथा 3 भवन निर्माणाधीन हैं। इससे पहले विधायक श्री डूंगरराम गेदर के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि विधान सभा क्षेत्र सूरतगढ के अंतर्गत एक परियोजना सूरतगढ संचालित है, जिसमें कुल 319 आंगनबाड़ी केन्द्र स्वीकृत हैं।

महिला एवं बाल विकास मंत्री ने बताया कि विभागीय भवन के अलावा अन्यत्र संचालित किये जाने वाले आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिये राज्य सरकार विभागीय भवन निर्माण करने का विचार रखती है।

उन्होंने बताया कि आंगनबाड़ी केन्द्रों के भवन निर्माण का कार्य भूमि आंवटन हो जाने पर विभाग द्वारा वित्तीय संसाधनों की उपलब्धता के आधार पर प्राथमिकता से क्रमश: किराये के भवनों, नि:शुल्क भवनों, सामुदायिक भवनों एवं अंत में राजकीय विद्यालयों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिये निर्धारित नॉर्म्स के अनुसार करवाया जाता है।

लखनऊ में अकबरनगर अब लक्ष्मण जी के नाम पर सौमित्र वन हो गया : मुख्यमंत्री योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के अकबरनगर इलाके में अवैध कब्जेदारों के अतिक्रमण पर की गई कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा में जवाब देते हुए एक बार फिर समाजवादी पार्टी (सपा) को कठघरे में खड़ा किया।

आदित्यनाथ ने लखनऊ से विधायक रविदास मेहरोत्रा के सवाल का जवाब देते हुए कहा,'' आप लखनऊ के इतिहास को जानते होंगे। लखनऊ में गोमती और कुकरैल नदी का संगम भी था।

अकबरनगर 1984 के बाद से ही बसा है। इसमें ज्यादातर अवैध निर्माण था और यही कारण था कि यह उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय में भी टिक नहीं पाया।'' उन्होंने कहा कि जिन लोगों को गलत तरीके से फर्जी कागजात दिखाकर रजिस्ट्री की गयी थी, उन लोगों का सरकार ने पुर्नवास किया है तथा अब अकबरनगर कोई नगर नहीं है, बल्कि अब वह 'सौमित्र वन' हो गया है। उन्होंने कहा कि लखनऊ को उसकी पहचान दिलाने के लिए भगवान राम के छोटे भाई लक्ष्मण जी के नाम पर उसको सौमित्र वन बना दिया गया है।

उन्होंने कहा ,''लखनऊ से सपा विधायक को तो खुश होना चाहिए कि यहां के लोगों ने उन्हें विधायक बनाया है और लखनऊ को हम नाइट सफारी दे रहे हैं। मतबल यह कि लाभ आप कमाएंगे और पैसा सरकार दे रही है। इतनी अच्छी योजना मिलने के बाद आपको तो सरकार को धन्यवाद देना चाहिए।''

उन्होंने यहां पंतनगर और इंद्रप्रस्थ नगर की कार्रवाई स्थगित कराये जाने का दावा करते हुए कहा कि जिस किसी के पास जायज कागजात हैं, उसको सरकार मुआवजा देगी।

उन्होंने कहा ,'' आप जाकर देखिए वहां पर कि कुकरैल नदी थी या नाला था। आपको आज के दिन पर नदी नजर आएगी, न कि नाला । नदी पुनर्जीवन का अभियान पूरे देश के अंदर चल रहा है। गोमती नदी को लखनऊ में क्या बना दिया आपने।''

अनधिकृत फेरीवाले एक बड़ी समस्या, जरूरी कदम उठाए जाने चाहिए: बंबई उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि सड़कों पर अनधिकृत रेहड़ी-पटरी वाले बड़ी समस्या हैं और अधिकारियों को इससे निजात के लिए जरूरी कदम उठाने चाहिए।

न्यायमूर्ति एस.एस सोनक और न्यायमूर्ति कमल खाटा की खंडपीठ ने कहा कि वह चाहती है कि किसी को परेशानी न हो।

अदालत ने कहा, किसी को परेशानी नहीं होनी चाहिए...आम लोगों को मुश्किल नहीं होनी चाहिए...दुकानदारों को परेशानी न हो...कानूनी और वैध लाइसेंसधारक फेरीवालों को भी परेशानी नहीं होनी चाहिए।

पिछले साल उच्च न्यायालय ने शहर में अवैध और अनधिकृत रेहड़ी-पटरी से होने वाली परेशानी के मामले पर स्वतः संज्ञान लिया था।

पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे बंगाल विस अध्यक्ष को हटाया जाना चाहिए: शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने मंगलवार को सदन के अध्यक्ष बिमान बंद्योपाध्याय पर कार्यवाही के दौरान पक्षपातपूर्ण तरीके से काम करने का आरोप लगाते हुए उन्हें पद से हटाने की मांग की।

भाजपा नेता ने प्रधान सचिव को लिखे एक पत्र में आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के इशारे पर विपक्षी दल द्वारा पेश किए गए सभी स्थगन प्रस्तावों को मनमाने ढंग से अस्वीकार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा रखे गए प्रस्तावों का उद्देश्य लोगों से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करना है।

अधिकारी ने कहा कि बंद्योपाध्याय अध्यक्ष की भूमिका की आलोचना होने पर विपक्ष के सदस्यों के खिलाफ विशेषाधिकार हनन प्रस्ताव लाने के लिए अप्रत्यक्ष रूप से सत्तारूढ़ पार्टी के सदस्यों को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बंद्योपाध्याय सरकार की अक्षमता को छिपाने के लिए अपनी विवेकाधीन शक्ति का दुरुपयोग कर रहे हैं।

अधिकारी ने विपक्ष के सदस्यों के भाषणों के अंशों को बिना किसी वैध कारण के हटाने का आरोप लगाते हुए कहा कि अध्यक्ष सदन के नियमों और प्रक्रियाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत कर रहे हैं और उनकी गलत व्याख्या कर रहे हैं।

बजट सर्वग्राही एवं सर्वस्पर्शी और देश को आत्मनिर्भर बनाने वाला : भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2024-25 के लिए केंद्रीय बजट को सर्वग्राही और सर्वस्पर्शी बताते हुए मंगलवार को लोकसभा में कहा कि इस बजट के तहत विभिन्न योजनाओं में धन आवंटित किये गये हैं, ताकि भारत को आत्मनिर्भर बनाया जाए। भाजपा के सांसद अजय भट्ट ने केंद्रीय बजट पर आगे की चर्चा में हिस्सा लेते हुए कहा कि यह बजट सर्वग्राही और सर्वस्पर्शी है तथा इससे देश का कोई कोना लाभान्वित होने से वंचित नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कार्यकाल में भारत पांचवीं आर्थिक शक्ति के रूप में स्थापित हो गया है और इस कार्यकाल में यह देश तीसरी आर्थिक शक्ति बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया में भारत का डंका बज रहा है और अमेरिका जैसा देश यहां के शासनाध्यक्ष को तरजीह दे रहा है, जबकि एक समय ऐसा था जब शासनाध्यक्ष बाहर जाते थे तो उन्हें वहां के शासन प्रमुखों से दूसरे, तीसरे दिन समय मिलता था।

राज्यसभा में सभापति धनखड़ ने 'चक्रव्यूह' पर ली चुटकी

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में आम बजट पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान में आये 'चक्रव्यूह' शब्द की अनुगूंज मंगलवार को राज्यसभा में उस समय सुनाई दी जब सभापति जगदीप धनखड़ ने भारतीय अर्थव्यवस्था विशेषकर आधारभूत ढांचे में हुई प्रगति की सराहना कर रहे राकांपा नेता प्रफुल्ल पटेल से चुटकी लेते हुए कहा, ''आपका कहने का मतलब है कि हम किसी चक्रव्यूह में नहीं फंसे हैं।''

उच्च सदन में आम बजट 2024-25 और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर के बजट पर संयुक्त चर्चा में भाग लेते हुए जब राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रफुल्ल पटेल भारतीय अर्थव्यवस्था में हुई प्रगति की सराहना कर रहे थे तो उन्हें बीच में टोकते हुए सभापति धनखड़ ने यह बात कही। सभापति ने कहा, ''आपका कहने का मतलब है कि हम किसी चक्रव्यूह में नहीं फंसे हैं। यह चक्रव्यूह की जो बात है, उसका कोई आधार नहीं है।'' उनकी बात से सहमति जताते हुए पटेल ने कहा, ''कोई चक्रव्यूह में फंसने की बात नहीं है। कोई आधार नहीं है...चक्रव्यूह में क्या हो गया है कि यहां के (सरकार के) यशस्वी काम की वजह से वो (विपक्ष) चक्रव्यूह में फंस गये हैं। और इसलिए चक्रव्यूह दूसरी तरह से बताने की कोशिश की जाती है।''

हलवा समारोह बजट का महत्वपूर्ण पड़ाव, इसकी आलोचना कर्मचारियों का अपमान: वित्त मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए मंगलवार को कहा कि हलवा समारोह बजट की तैयारी का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है और इसकी आलोचना इससे जुड़े कर्मचारियों का 'अपमान करना' है।

सीतारमण ने लोकसभा में बजट पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा, ''हलवा समारोह उस समय से चल रहा है जब से वित्त मंत्रालय का प्रीटिंग प्रेस मिंटो रोड में हुआ करता था। हमारे देश में कोई भी अच्छा काम करने से पहले मुंह मीठा करने की परंपरा है। इसकी आलोचना करना बजट की तैयारियों से जुड़े कमर्मचारियों का मजाक उड़ाना और उनका अपमान करना है।'' राहुल गांधी ने बजट पर चर्चा में भाग लेते हुए दावा किया था कि 20 अधिकारियों ने देश का बजट बनाने का काम किया है, लेकिन इनमें से सिर्फ एक अल्पसंख्यक एवं एक ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) हैं और उनमें एक भी दलित एवं आदिवासी नहीं है। राहुल ने बजट से पहले की हलवा रस्म का जिक्र करते हुए कहा था, ''इस सरकार में 2-3% लोग ही हलवा तैयार कर रहे हैं और उतने ही लोग हलवा खा रहे हैं तथा शेष हिंदुस्तान को यह नहीं मिल रहा है।'' सीतारमण ने इस आरोप के जवाब में कहा, ''हलवा समारोह के बाद इससे जुड़े कर्मचारी बजट जारी नहीं होने तक बाहर नहीं आते हैं। पहले उन्हें नौ दिन और आठ रात अलग-थलग गुजारनी पड़ती थीं, लेकिन अब उन्हें पांच रात और चार दिन सबसे दूर रहना होता है। वे बजट के बाद ही बाहर आ पाते हैं। बजट की गोपनीयता के लिए ऐसा करना जरूरी होता है।''

विपक्षी दलों के नेताओं को निशाना बनाने वाली एजेंसियों को खत्म कर देंगे : अखिलेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि जब भी हम सत्ता में आएंगे तब उन एजेंसियों को खत्म कर देंगे जो विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही है।

अखिलेश ने आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ताओं को आश्वासन दिया कि उनकी पार्टी संघर्ष की इस घड़ी में उनके साथ खड़ी है।

यादव ने यहां जंतर-मंतर पर 'इंडि' गठबंधन की रैली को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ दर्ज मामले वापस लेकर उन्हें जेल से रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, राजनीतिक ताकत दिखाने के लिए ही केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया। लेकिन मैं उन शक्तिशाली लोगों से कहना चाहता हूं कि लोकतंत्र में जनता सबसे शक्तिशाली होती है। उन्होंने कहा, 400 पार का नारा लगाने वालों को बहुमत नहीं मिला। उत्तर प्रदेश में, जहां उन्होंने कहा था कि उन्हें 80 सीटें मिलेंगी, लोगों ने न केवल उन्हें हरा दिया, बल्कि सपा और इंडिया गठबंधन के पक्ष में जनादेश देकर उन्हें बहुमत हासिल करने से भी रोक दिया।

यादव ने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वाराणसी से जीत गए, लेकिन उनकी जीत का अंतर कम हुआ है।

उत्तर प्रदेश की कांग्रेस इकाई के प्रमुख अजय राय ने इस वाराणसी सीट से मोदी के खिलाफ चुनाव लड़ा था। उन्होंने कहा, पिछली बार वह लगभग पांच लाख वोटों से जीते थे और दावा कर रहे थे कि इस बार वह 10 लाख वोट से जीतेंगे... कम से कम उन्हें यह समझना चाहिए कि लोग उनके खिलाफ हैं।

यादव ने बगैर किसी का नाम लिए कहा कि कुछ एजेंसियां विपक्षी नेताओं को बदनाम कर रही हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने पहले भी कहा था कि जब भी हम सत्ता में आएंगे, ऐसी एजेंसियों को खत्म कर देंगे। हमारे लोकतंत्र में किसी को फर्जी मामलों में फंसाने जैसी कोई बात नहीं है।

चीन और पाकिस्तान संबंधी सुरक्षा चुनौतियों पर संसद को विश्वास में ले सरकार : खरगे

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीन और पाकिस्तान से संबंधित सुरक्षा चुनौतियों का हवाला देते हुए मंगलवार को केंद्र से संसद को विश्वास में लेने का आग्रह किया और आरोप लगाया कि अपने ''झूठे अहंकार और खोखले प्रचार'' के कारण वह यह भी भूल गई है कि भारत के सामरिक हितों की रक्षा करना उसकी जिम्मेदारी है। खरगे ने यह भी कहा कि भारत की सीमा के दो मोर्चे के घटनाक्रम ने नरेन्द्र मोदी सरकार की उदासीनता को फिर से उजागर किया है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर जारी पोस्ट में कहा, ''क्या यह सच नहीं है कि चीन ने पैंगोंग झील के उत्तर और दक्षिण तटों को जोड़ने वाले एक पुल का निर्माण और संचालन किया है, जो उसे हमारे एलएसी के करीब इस क्षेत्र में सामरिक प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति देता है?''

कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, ''क्या यह सच नहीं है कि चीन ने डेमचोक सेक्टर में एलएसी के पास एक नया गांव बसाना शुरू कर दिया है, जो देपसांग के साथ गलवान के बाद गतिरोध का बिंदु है?'' खरगे ने पाकिस्तान को लेकर सवाल किया कि क्या यह सच नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी के तीसरी बार शपथ लेने के बाद से जम्मू-कश्मीर में खासकर जम्मू क्षेत्र में 25 आतंकी हमले हुए हैं, जिनमें15 सैनिक या सुरक्षाकर्मी मारे गए हैं और 27 घायल हुए हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष का कहना है कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा के बेहद गंभीर और संवेदनशील मुद्दे हैं और इस पर एकजुटता वाले और समग्र दृष्टिकोण की जरूरत है। खरगे ने कहा, ''मोदी सरकार को संसद को विश्वास में लेना चाहिए, लेकिन अपने झूठे अहंकार और खोखले प्रचार में वह भूल गई है कि भारत के सामरिक हितों की रक्षा करना भी उसकी जिम्मेदारी है।''

राशन घोटाला : ईडी ने बंगाल में 10 अलग-अलग जगहों पर छापेमारी की

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के राशन वितरण घोटाले की जांच के सिलसिले में मंगलवार को पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में 10 अलग-अलग स्थानों पर एक साथ छापे मारे। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि एजेंसी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों के साथ मिलकर राजरहाट, बारासात, बशीरहाट, भांगर और देगंगा इलाकों में व्यापारियों एवं तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के आवासों तथा मिल और कार्यालयों पर छापे मारे।

एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''चावल और आटा मिल के साथ-साथ ऐसे व्यवसायियों के कार्यालयों पर भी छापेमारी की गई जो प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से घोटाले में शामिल हैं। देगंगा के तृणमूल कांग्रेस के दो नेताओं के मिल की तलाशी भी ली जा रही है।'' उन्होंने बताया कि ईडी अधिकारियों ने उस तृणमूल कांग्रेस नेता के वाहन की भी तलाशी ली, जिसे राज्य के वन मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक का करीबी माना जाता है। मलिक को घोटाले के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है। सोना, कोयला और गौ तस्करी के मामलों में संलिप्त बशीरहाट में संग्रामपुर के एक अन्य व्यवसायी के परिसरों पर भी छापे मारे गए। अधिकारी ने कहा, ''इस व्यवसायी ने राशन वितरण घोटाले के साथ-साथ सोना और ईंट भट्टा कारोबार में भी भारी मात्रा में पैसा लगाया था।'' इस व्यवसायी को 2014 में सोने की तस्करी के मामले में गिरफ्तार किया गया था।

अर्जुन की तरह केवल मछली की आंख देख रहे है, जाति जनगणना करवाकर रहेंगे : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को सदन में कहा कि उन्हें अर्जुन की तरह सिर्फ मछली की आंख ही दिखाई दे रही है और वह देश में जाति आधारित जनगणना करवाकर रहेंगे। उन्होंने सदन में बजट 2024-25 पर चर्चा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सांसद अनुराग ठाकुर की एक टिप्पणी के बाद यह कहा।

ठाकुर ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कुछ टिप्पणी की जिस पर कांग्रेस और सहयोगी दलों के सदस्य हंगामा करने लगे। पीठासीन सभापति जगदंबिका पाल ने कहा कि अगर कुछ आपत्तिजनक है तो उसे रिकॉर्ड से हटा दिया जाएगा। राहुल गांधी ने कहा, ''आप लोग मेरा जितना अपमान करना चाहते है, आप ख़ुशी से करिए आप रोज़ करिए। मगर एक बात मत भूलिए, कि जाति जनगणना हम करवाकर रहेंगे।'' उन्होंने कहा कि जो भी इस देश में दलितों, आदिवासियों और पिछड़ों की बात उठाता है, उनके लिए लड़ता है उसको गाली खानी पड़ती है।

राहुल गांधी ने कहा, ''मैं ये सब गालियां ख़ुशी से खाऊँगा क्योंकि जैसे महाभारत में अर्जुन को सिर्फ़ मछली की आंख ही दिखाई दे रही थी उसी तरह मुझे भी सिर्फ़ मछली की आँख ही दिखाई दे रही है। हम जाति जनगणना करवा के दिखाएंगे।''

उन्होंने कहा, ''अनुराग ठाकुर जी ने मुझे गाली दी है, अनुराग ठाकुर जी ने मुझे अपमानित किया है मगर मुझे अनुराग ठाकुर से कोई माफ़ी नहीं चाहिए। मैं लड़ाई लड़ रहा हूं।''

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने ठाकुर की टिप्पणी का हवाला देते हुए कहा सदन के अंदर किसी सदस्य की जाति नहीं पूछी जा सकती। उन्होंने कहा, ''आप जाति कैसे पूछ सकते हैं? आप जाति नहीं पूछ सकते।''

उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ रहे विद्यार्थियों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ना चिंताजनक : उच्च न्यायालय

मुंबई/भाषा। बंबई उच्च न्यायालय ने उच्च शिक्षण संस्थानों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों द्वारा खुदकुशी करने की बढ़ती घटनाओं को 'चिंताजनक' बताते हुए मंगलवार को अधिकारियों से तत्काल कदम उठाने को कहा।

मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायमूर्ति अमित बोरकर की खंडपीठ ने यह भी कहा कि एक विद्यार्थी के लिए मानसिक और शारीरिक तंदरुस्ती बेहद जरूरी है।

उच्च न्यायालय बाल अधिकार कार्यकर्ता शोभा पंचमुख द्वारा दायर जनहित याचिका पर सुनवाई कर रहा था। उन्होंने विद्यार्थियों में आत्महत्या की बढ़ती प्रवृत्ति पर चिंता जताई है।

कांग्रेस सांसद ने पूछा: मोदी को मणिपुर की महिलाओं और बच्चों की चीखें क्यों नहीं सुनाई देती?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अशांत मणिपुर की यात्रा न करने को लेकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मंगलवार पर निशाना साधा और कहा कि आखिरकार प्रधानमंत्री को महिलाओं और बच्चों की चीखें क्यों नहीं सुनाई देती हैं, जो अपने घर नहीं लौट पा रहे हैं।

पार्टी ने राज्य में शांति कायम करने के लिए मुख्यमंत्री को हटाने की केंद्र से मांग की और सवाल भी किया कि आखिर केंद्र सरकार एक आदमी को क्यों नहीं हटा पा रही है? मणिपुर बाह्य से कांग्रेस के सांसद अल्फ्रेड आर्थर ने केंद्रीय बजट पर लोकसभा में आगे की चर्चा के दौरान मोदी से हिंसा-प्रभावित राज्य का दौरा करने का अनुरोध करते हुए पूछा, ''आप उन महिलाओं और बच्चों की चीखें क्यों नहीं सुन पा रहे हैं, जो अपने घर तक नहीं जा पा रहे हैं।''

आर्थर ने कहा कि पिछले 15 महीने से मणिपुर अशांत है और चर्चा में बना हुआ है, लेकिन करीब हर सप्ताह पूर्वोत्तर राज्यों की यात्रा करने वाले केंद्रीय मंत्रियों ने हिंसा के बाद से राज्य की यात्रा नहीं की है। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष की ओर से 'मोदी है तो सब मुमकिन है' का नारा दिया जाता रहा है, यह सुनने में जरूर अच्छा लगता है, लेकिन मोदी जी के कार्यकाल में (मणिपुर के लोगों के लिए) न्याय कहां हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे परिवार ने देश की आजादी में कुर्बानी दी है लेकिन क्या यही दिन देखने के लिए हमारे परिवार ने कुर्बानी दी थी।''

आर्थर ने प्रधानमंत्री से यह भी पूछा कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह को क्यों नहीं बदला गया। उन्होंने आश्चर्य जताया कि शांति लाने के लिए एक व्यक्ति को बदलना इतना मुश्किल क्यों है। उन्होंने पूछा, ''एक समुदाय कह रहा है कि एक व्यक्ति ने इस संघर्ष की शुरुआत की है। आपके पास मुख्यमंत्री के अलावा 49 और सदस्य हैं। प्रधानमंत्री उन्हें बदल सकते थे। क्या शांति लाने के लिए एक व्यक्ति को बदलना इतना मुश्किल है? यदि आप एक छोटे से राज्य में शांति नहीं ला सकते, तो आप इतने बड़े देश में शांति कैसे बनाए रखेंगे?

आर्थर ने पूछा, मेरा राज्य पिछले 15 महीनों से सभी गलत कारणों से खबरों में रहा है। मैंने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा सदन के सामने रखे गए बजट को पढ़ा है। मुझे लगता है कि वह यह समझने में विफल हैं कि इस समय मणिपुर सबसे कम प्रति व्यक्ति आय वाला राज्य है और यहां सबसे अधिक मुद्रास्फीति है। आप एक ऐसे राज्य से कैसे उम्मीद कर सकते हैं जो आय में सबसे कम है और सबसे अधिक कीमतें चुका रहा है?

भारतीय हॉकी टीम का अजेय अभियान जारी

हरमनप्रीत के दो गोल से आयरलैंड को हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/भाषा। कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल और गोलकीपर पी आर श्रीजेश के शानदार प्रदर्शन की मदद से भारतीय पुरूष हॉकी टीम ने पेरिस ओलंपिक में अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए आयरलैंड को 2 . 0 से हराया ।

पहले दो मैचों में कई गलतियां करने वाली भारतीय टीम ने पूल बी के तीसरे मैच में मंगलवार को हाफटाइम तक आयरलैंड पर पूरा दबाव बनाये रखा । कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 11वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर पहला और 19वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर दूसरा गोल किया । पहले मैच में न्यूजीलैंड पर 3 . 2 से मिली जीत में हरमनप्रीत ने 59वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर विजयी गोल दागा था । वहीं रियो ओलंपिक चैम्पियन अर्जेंटीना के खिलाफ सोमवार को 59वें मिनट में ही उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर तब्दील करके भारत को हार से बचाते हुए मैच 1 . 1 से ड्रॉ कराया था । भारत अब दो अगस्त को आस्ट्रेलिया से भिड़ेगा। डिफेंडर जरमनप्रीत सिंह ने कहा, ''हमें दूसरे हाफ में इतने सारे पेनल्टी कॉर्नर नहीं होने देने चाहिए थे। हमें इस पर काम करना होगा। लेकिन साथ ही हमने एक भी गोल नहीं खाया और यह हमारा पेनल्टी कॉर्नर 'डिफेंस' बयां करता है। लेकिन हम इतने पेनल्टी कॉर्नर नहीं गंवा सकते।'' सुखजीत ने कहा कि टीम को दूसरे हाफ में गेंद को नियंत्रित करने में संघर्ष करना पड़ा।

सुविचार

जिंदगी की हकीकत को बस हमने इतना ही जाना है, दर्द में अकेले हैं और खुशियों में सारा जमाना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अगली पीढ़ी की बैंकिंग

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने वित्तीय क्षेत्र में डिजिटलीकरण से अगली पीढ़ी की बैंकिंग का रास्ता खुलने संबंधी जो टिप्पणी की है, वह भारत की उन्नत वित्तीय यात्रा की सफलता को दर्शाती है। देश में पिछले एक दशक से भी कम अवधि में जिस तरह इंटरनेट सुविधाओं का विस्तार हुआ, उससे डिजिटलीकरण में तेजी आई है। निस्संदेह इस अवधि में लोगों का बैंकिंग सेवाओं के साथ तेजी से जुड़ाव हुआ और इंटरनेट की मदद से वित्तीय क्षेत्र डिजिटल की डगर पर बहुत आगे बढ़ा। दो दशक पहले तक कितने लोग बैंकों की सेवाएं ले पाते थे? वे कितनी सुलभ थीं? आम लोगों के लिए खाते खुलवाने की प्रक्रिया क्या थी? अगर बैंक में छोटा-सा काम भी करवाने जाते तो कितना समय लगता था? इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार ने वर्ष 1969 में 14 बड़े बैंकों का राष्ट्रीयकरण कर दिया था। इसके पीछे मंशा थी कि अब बैंकों तक आम लोगों की पहुंच आसान होगी, लेकिन तमाम कोशिशों के बावजूद आबादी का एक बड़ा हिस्सा इन सेवाओं से दूर ही रहा। समय के साथ बैंकों में नई तकनीक भी आई। वहीं, इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि बैंकों से सेवाएं लेने की प्रक्रिया आसान नहीं थी। प्राय: बैंकों की शाखाएं शहरों और कस्बों में होती थीं। अगर दूर-दराज के गांव में रहने वाले किसी व्यक्ति को बैंक में जाना होता तो उसका आधा दिन बीत जाता था। कई बार पूरा दिन भी बीत जाता था। कतारों में लगने से थका हुआ इन्सान जब तपती दोपहर या देर शाम को अपने गांव लौटता तो ऐसा महसूस करता, गोया उसने बहुत बड़ी जंग जीत ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने पहले कार्यकाल में विभिन्न विकास योजनाओं का लाभ देने के लिए आम जनता के बड़ी संख्या में बैंक खाते खुलवाए थे। उस कार्यकाल को इस बात के लिए खासतौर से याद किया जाएगा, क्योंकि उसी दौरान एक ऐसा आधार तैयार हुआ था, जिससे भविष्य में डिजिटल बैंकिंग की राह आसान हुई।

आज आरबीआई की रिपोर्ट कहती है कि वर्ष 2026 तक डिजिटल अर्थव्यवस्था जीडीपी का 20 प्रतिशत होगी। वहीं, कुछ साल पहले एक वरिष्ठ नेता ने जन धन योजना पर सवाल उठाए थे। कई लोगों ने सोशल मीडिया पर लिखा था कि आम लोगों के पास इतना पैसा नहीं है कि वे बैंक खाता रख सकें, लिहाजा यह एक ऐसी कवायद है, जिसका कोई फायदा नहीं होने वाला। यह भी तर्क दिया गया था कि आम लोग अपने घरों में नकदी रखना पसंद करते हैं, इसलिए वे बैंकों के जरिए लेनदेन करने में सहज महसूस नहीं करेंगे! आज छोटी-से-छोटी दुकान डिजिटल भुगतान स्वीकार करती है। जिन लोगों ने पहले बैंक शाखा भी नहीं देखी थी, वे अब डिजिटल भुगतान में कुशल हो चुके हैं। उन्हें अपने खाते से राशि संबंधी विवरण जानने के लिए बैंक शाखा जाकर पूछताछ करने की जरूरत नहीं है। मोबाइल फोन के कुछ बटन दबाने मात्र से पूरा विवरण सामने आ जाता है। भारतवासियों ने बहुत जल्द इसे अपनी रोजमर्रा की ज़िंदगी का हिस्सा बना लिया। यह तो अभी शुरुआत है। आने वाले वर्षों में भारत में डिजिटलीकरण से बैंकिंग में बहुत बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। जिन बैंक शाखाओं में कभी लंबी-लंबी कतारें लगती थीं, वे बहुत छोटी होकर लगभग समाप्त हो जाएंगी। बैंक शाखा से संबंधित काम छोटा हो या बड़ा, वह ग्राहक के लिए बहुत आसान हो जाएगा। नकदी पर लोगों की निर्भरता धीरे-धीरे कम हो जाएगी। आज शहरों में तो कई लोगों को याद नहीं कि उन्होंने पिछली बार नकद भुगतान कब किया था! कुछ वर्षों बाद यही स्थिति गांवों में देखने को मिलेगी। सस्ती लागत पर वित्तीय सेवाओं तक पहुंच में सुधार होता जाएगा। वर्तमान में जो देश तकनीकी दृष्टि से बहुत उन्नत माने जाते हैं, वे भी भारत के अनुभवों से लाभ पाने और मार्गदर्शन लेने की कोशिशें करेंगे।

ट्वीटर टॉक

केरल में भारी बारिश व भूस्खलन के कारण हुई जनहानि की सूचना अत्यंत हृदय विदारक है।प्रभु श्रीराम जी से दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने परम धाम में स्थान, लापता नागरिकों के सकुशल मिलने व घायल नागरिकों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होने की प्रार्थना है।

-भजनलाल शर्मा

आज भाजपा जयपुर शहर की जिला कार्यसमिति की बैठक में सम्मिलित होकर ऊर्जावान कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। प्रदेश में संगठन को विस्तारित एवं जनसेवा के संकल्प को सशक्त बनाने हेतु भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अटल संकल्पों के साथ प्रतिबद्ध है।

-दीया कुमारी

नरेंद्र मोदी के अमृतकाल में आम भारतीयों की 'खाली जेब' भी काटी जा रही है। मित्र उद्योगपतियों के 16 लाख करोड़ माफ कर देने वाली सरकार ने 'मिनिमम बैलेंस' तक मेंटेन न कर पा रहे गरीब भारतवासियों से 8500 करोड़ रुपए वसूल लिए हैं।

-राहुल गांधी

प्रेरक प्रसंग

समर्पण की भावना

एक बार महान संत कबीर अपने आंगन में बैठे धूप सेंक रहे थे। उनके पास एक युवक आया, कबीर साहब जी तुरंत भाप गए कि यह युवक अवश्य ही चिंतित है। और यही हुआ, उसने प्रश्न किया कि महाराज जी विवाह करना उचित है या नहीं? यह प्रश्न सुनकर संत कबीर कुछ समय चुप रहे। फिर कुछ समय पश्चात कबीर साहब ने अपनी धर्मपत्नी को आवाज़ लगाई और कहा कि जरा लालटेन जला कर लाना। पत्नी लालटेन जला कर ले आईं। वह युवक बोला, महात्मा जी! आप तो अजूबा हैं ही आपकी पत्नी भी खूब हैं। अरे! धूप में बैठे हो तो लालटेन की क्या जरूरत है? और आपकी पत्नी भी बिना सोचे-समझे लालटेन जला लायी। कबीर बोले, बस! यही आपके प्रश्न का उत्तर है। पति-पत्नी में एक-दूसरे के प्रति समर्पण हो कोई शक, शंका या तर्क न हो तो ही विवाह करना उचित है। इन सभी बातों को सुनकर युवक को अपने प्रश्न का उचित जवाब मिल गया।

सामयिक

मुंशी प्रेमचंद : आम आदमी के साहित्यकार

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9034304041.

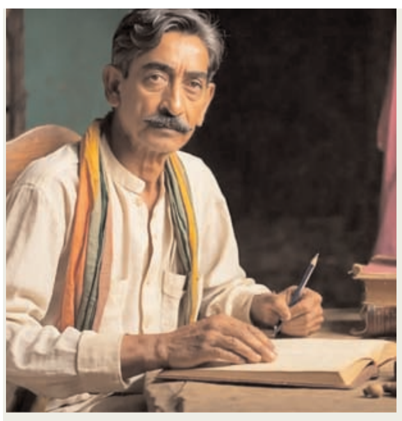

मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी।

आधुनिक हिन्दी साहित्य के पितामह और उपन्यास सम्राट महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपने लेखन के माध्यम से न सिर्फ दासता के विरुद्ध आवाज उठाई बल्कि लेखकों के उत्पीड़न के विरुद्ध भी सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने उपन्यासों और कहानियों के अलावा नाटक, समीक्षा, लेख, संस्मरण इत्यादि कई विधाओं में साहित्य सृजन किया। प्रेमचंद ऐसे कहानीकार और साहित्यकार थे, जिन्हें आज भी सबसे ज्यादा पढ़ा जाता रहा है। उन्हें आम आदमी का 'साहित्यकार' भी कहा जाता है। चूंकि उनकी लगभग सभी कहानियां आम जीवन और उसके सरोकारों से ही जुड़ी होती थी, इसीलिए उनके सबसे ज्यादा पाठक आम लोग रहे हैं। दरअसल उन्होंने अपने सम्पूर्ण साहित्य लेखन में एक आम गरीब आदमी की पीड़ा को न केवल समझा बल्कि अपनी कहानियों और उपन्यासों के जरिये उसका निदान बताने का प्रयास भी किया। उन्होंने अपनी लगभग सभी रचनाओं में आम आदमी की भावनाओं, उनकी परिस्थितियों, समस्याओं तथा संवेदनाओं का मार्मिक शब्दांकन किया। आज भी हिन्दी भाषी दिग्गज लेखकों और साहित्यकारों का यही मानना है कि मुंशी प्रेमचंद जैसा कलमकार हिन्दी साहित्य में न आज तक कोई हुआ है और न होगा। अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्होंने समाज को सदैव रूढ़िवादी परम्पराओं और कुरीतियों से निकालने का प्रयास किया। उन्हें हिन्दी साहित्य का 'माइलस्टोन' भी कहा जाता है।

कम ही लोग यह जानते हैं कि जो मुंशी प्रेमचंद हिन्दी लेखन के लिए इतने विख्यात रहे हैं, उन्होंने अपने लेखन की शुरुआत उर्दू से की थी। अपना पहला साहित्यिक कार्य उन्होंने गोरखपुर से उर्दू में शुरू किया था और 1909 में कानपुर के जमाना 'प्रेस' से उर्दू में ही उनका पहला कहानी-संग्रह 'सोज ए वतन' प्रकाशित हुआ था, जिसकी सभी प्रतियां ब्रिटिश सरकार द्वारा जब्त कर ली गई थी।

उस समय में वे उर्दू में 'नबावराय' के नाम से लिखते थे। उनका लिखा कहानी संग्रह जब्त करने के बाद 'जमाना' के सम्पादक मुंशी दयानारायण ने उन्हें परामर्श दिया कि भविष्य में अंग्रेज सरकार की नाराजगी से बचने के लिए नवाब राय के बजाय वे नए उपनाम 'प्रेमचंद' के नाम से लिखना शुरू करें। इस प्रकार वे नवाब राय से प्रेमचंद बन गए। उत्तर प्रदेश में वाराणसी के लमही गांव के डाक मुंशी अजायबलाल के घर 31 जुलाई 1880 को जन्मे धनपत राय श्रीवास्तव उर्फ मुंशी प्रेमचंद की आज हम 144वीं जयंती मना रहे हैं। प्रेमचंद वकील बनना चाहते थे लेकिन आर्थिक तंगी के चलते उनका वह सपना पूरा नहीं हो सका। मुंशी प्रेमचंद विधवा विवाह के पक्षधर थे और इसी कारण उन्होंने पहली पत्नी के निधन के बाद समाज के विरुद्ध जाकर वर्ष 1905 में 25 साल की आयु में शिवरानी नामक एक बाल विधवा से विवाह किया, जिसके बाद उनकी आर्थिक और पारिवारिक स्थितियों में बदलाव आया। वैसे तो उन्होंने 13 वर्ष की उम्र में लेखन कार्य शुरू कर दिया था लेकिन उनके लेखन में परिपक्वता शिवरानी से विवाह के बाद ही आई थी, जिससे उनके लेखन की मांग बढ़ने लगी। उनकी दूसरी पत्नी शिवरानी ने ही बाद में उनकी जीवनी लिखी थी। अपने जीवन के आखिरी दिनों में प्रेमचंद जलोदर नामक बीमारी से ग्रसित हो गए थे और 8 अक्तूबर 1936 को दुनिया से अलविदा हो गए। मुंशी प्रेमचंद एक दिन बालेमियां मैदान में महात्मा गांधी का भाषण सुनने गए और उनके विचारों से इस कदर प्रभावित हुए कि उन्होंने ब्रिटिश सरकार की सरकारी नौकरी से त्यागपत्र दे दिया और उसके बाद पूरी तरह से स्वतंत्र लेखन में जुट गए। अपने जीवनकाल में मुंशी प्रेमचंद ने कुल 15 उपन्यास, 300 से अधिक कहानियां, 3 नाटक, 10 अनुवाद, 7 बाल पुस्तकें और हजारों की संख्या में लेखों व संस्मरणों की रचना की। उनके चर्चित उपन्यासों में बाजार-ए-हुस्न (उर्दू में), गोदान, कर्मभूमि, गबन, सेवा सदन, कायाकल्प, मनोरमा, निर्मला, प्रतिज्ञा प्रेमाश्रम, रंगभूमि, वरदान, प्रेमा इत्यादि और कहानियों में पूस की रात, नमक का दरोगा, बूढ़ी काकी, कफन, मंत्र, नशा, शतरंज के खिलाड़ी, आत्माराम, बड़े भाईसाहब, बड़े घर की बेटी, उधार की घड़ी, जुर्माना इत्यादि बहुत प्रसिद्ध रही।

अपना अंतिम कालजयी उपन्यास 'गोदान' उन्होंने वर्ष 1936 में लिखा, जो बेहद चर्चित रहा और आज भी आधुनिक क्लासिक माना जाता है। प्रेमचंद की कुछ कहानियों पर उनके निधन के बाद फिल्में भी बनी। 1980 में उनके उपन्यास 'निर्मला' पर एक टीवी धारावाहिक भी बना, जो काफी लोकप्रिय हुआ था। 1938 में उनके एक उपन्यास 'सेवासदन' पर फिल्म बनी। 1963 में गोदान' और 1966 में 'गबन' उपन्यास पर फिल्में बनी। 1977 में उनकी कहानी कफन' पर फिल्मकार मृणाल सेन द्वारा ओका ऊरी कथा' नामक तेलुगू फिल्म बनाई गई, जिसे सर्वश्रेष्ठ तेलुगू फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिला। उनकी दो कहानियों 1977 में उनकी एक कहानी 'शतरंज के खिलाड़ी' और 1981 में 'सद्गति' पर बॉलीवुड फिल्मकार सत्यजित राय ने फिल्में बनाई।

चिंतन

गंभीर चुनौती है खेती पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव

अमरपाल सिंह वर्मा

मोबाइल : 9829019785

जलवायु परिवर्तन पूरी दुनिया के लिए चुनौती बन गया है। जलवायु परिवर्तन का का व्यापक प्रभाव विभिन्न क्षेत्रों पर पड़ रहा है। हमारी खेती भी इससे प्रभावित हो रही है। खेती पर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभाव के कारण करोड़ों किसान प्रभावित हो रहे हैं। हाल ही में आई एक सर्वे की रिपोर्ट खेती पर जलवायु परिवर्तन के व्यापक प्रभावों का खुलासा करती है। इस रिपोर्ट के अनुसार पिछले पांच वर्षों में प्रतिकूल जलवायु घटनाओं के कारण भारत में 80 प्रतिशत सीमांत किसानों को फसलों का नुकसान उठाना पड़ा है।

दुनिया भर के विशेषज्ञ एक अरसे से जलवायु परिवर्तन के खतरों के बारे में चेताते आ रहे हैं लेकिन इसे अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया गया है। जलवायु परिवर्तन पर चर्चा तो होने लगी है मगर इससे निपटने के लिए कारगर उपायों पर गंभीरता से काम नहीं हो रहा है। हम सब जानते हैं कि जलवायु परिवर्तन के कारण वर्षा के पैटर्न में बदलाव हो रहा है। कभी अधिक वर्षा तो कभी सूखे की स्थिति बन जाती है, जिससे फसलों का उत्पादन प्रभावित होता है। हाल के दो-तीन सालों में उच्च तापमान से फसलों की वृद्धि प्रभावित हुई है। गेहूं जैसी कई फसलें अत्यधिक तापमान को सहन नहीं कर पाईं, जिससे उनकी पैदावार घटी है। उच्च तापमान और नमी की स्थिति ने कीटों और रोगों के प्रकोप को बढ़ाया है। उत्तरी भारत की कपास पट्टी में पिछले कई सालों से गुलाबी सुंडी कपास की फसल को चट कर रही है। फसलों के जिन रोगों के बारे में कृषि विभाग को पता है, उनसे निपटना ही भारी पड़ रहा है। ऊपर से यह आशंका भी है कि जलवायु परिवर्तन के कारण कुछ नए रोग भी फसलों पर हमला कर सकते हैं, जिनसे निपटने के लिए किसानों के पास उचित तैयारी नहीं है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के अनेक नुकसान खेती को प्रभावित कर रहे हैं। देश के विभिन्न भागों में जलवायु परिवर्तन के कारण सूखे की स्थिति बन रही है, इससे भूजल का अधिक दोहन हो रहा है, जो जलस्तर में गिरावट की वजह बन रहा है। जहां कहीं अत्यधिक वर्षा देखने हो रही है, वहां इस कारण मिट्टी का कटाव होने से उसकी उर्वरता कम हो रही है। सूखे की स्थिति में मिट्टी में लवणता बढ़ जाती है, जिससे फसलों की वृद्धि में रुकावट आती है। हाल के सालों में किसान बदलते जलवायु पैटर्न के कारण फसलों की पैदावार में अनिश्चितता की स्थिति का सामना कर रहे हैं। बीते एक दशक में कभी अधिक पैदावार तो कभी कम पैदावार की स्थिति बन रही है।

जलवायु परिवर्तन का नुकसान किस कदर प्रत्यक्ष नजर आने लगा है, इसका अनुमान डेवलपमेंट इंटेलिजेंस यूनिट (डीआइयू) के सहयोग से फोरम ऑफ एंटरप्राइजेज फॉर इक्विटेबल डेवलपमेंट (एफइडी) द्वारा किए गए सर्वे के नतीजों से लगाया जा सकता है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि पिछले पांच वर्षों में प्रतिकूल जलवायु घटनाओं के कारण भारत में 80 फीसदी सीमांत किसानों को फसल का नुकसान उठाना पड़ा है।

खेती पर जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के प्रति सचेत होने की जरूरत है। निरंतर कम होती आमदनी के कारण देश में पहले से ही किसानों में असंतोष है। किसान लंबे समय से आंदोलन करते आ रहे हैं। अगर किसानों की आमदनी में और गिरावट (भले इसके लिए जलवायु परिवर्तन जिम्मेदार हो) आती है तो उनमें निराशा का भाव बढ़ेगा। यह निराशा कई समस्याओं को जन्म देगी। फसलों की पैदावार में कमी के कारण खाद्य सुरक्षा पर खतरा मंडराना स्वाभाविक है, जिससे अन्न की कमी से समाज में कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए जरूरी कदम उठाने ही होंगे क्योंकि भविष्य में समस्याएं और बढ़ना तय है। फोरम ऑफ एंटरप्राइजेज फॉर इक्विटेबल डेवलपमेंट (एफइडी) ने चेताया भी है कि जलवायु परिवर्तन अब कहीं क्षितिज पर मौजूद खतरा नहीं रह गया है। यह खतरा आसन्न है।

इस चेतावनी की वर्ष 2024 की झुलसा देने वाली भीषण गर्मी मंडराते खतरे की पुष्टि कर रही है। प्रकृति से लगातार खिलवाड़ करके अब हम उस मुकाम पर पहुंच गए हैं, जहां जलवायु अनुकूल रणनीति विकसित करने के अलावा कोई और चारा नहीं है। अगर खेती को बचाना है और अन्न की कमी को टालने और भुखमरी के हालात से बचना है तो हमें किसानों को सूखा प्रतिरोधी फसलों की खेती, मिश्रित खेती और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण समेत जलवायु परिवर्तन के अनुकूल तमाम सतत कृषि प्रथाओं को अपनाने की दिशा में बढ़ना होगा। ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई जैसे सिंचाई के आधुनिक तरीके अपनाकर पानी बचाने के लिए प्रयास करने होंगे। हमारे कृषि वैज्ञानिक दशकों से फसल विविधता को बढ़ावा देने की पैरवी कर रहे हैं। अब अगर कीटों और बीमारियों के प्रकोप को नियंत्रित करना है तो फसल विविधता ही इसका उपाय है। जरूरी है कि हम ऐसा कोई काम न करें जिससे जलवायु परिवर्तन का खतरा बढ़े। किसानों को जलवायु के अनुकूल फसलों की बुवाई पर ध्यान केन्द्रीत करना होगा। कृषि अनुसंधान संस्थानों को जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करके किसानों को उचित परामर्श देने की महत्ती जिम्मेदारी उठानी होगी। जलवायु परिवर्तन का खेती पर प्रतिकूल प्रभाव एक गंभीर चुनौती है, जिसके समाधान के लिए सामूहिक प्रयासों की जरूरत है। सतत और अनुकूल कृषि प्रथाओं को अपना कर सुनियोजित तरीके से जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना किया जा सकता है। अगर हम ऐसा करेंगे तो ही भावी पीढ़ियों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना संभव है।

नजरिया

छात्रों की जान से खेलते कोचिंग सेंटर और नाकारा सिस्टम

मनोज कुमार अग्रवाल

मोबाइल : 9219179431

देश की राजधानी दिल्ली में एक नामी गिरामी प्रतिष्ठित कोचिंग संस्थान के बेसमेंट में अचानक पानी भर जाने से तीन छात्रों की दु:खद मौत जहाँ बेहद हृदयविदारक है, वहीं राजधानी दिल्ली के नाकारा रिश्वतखोर पंगु प्रशासन की धूर्तता भरी कार्यप्रणाली पर भी सवालिया निशान है। जो प्रतिभावान युवा भारतीय प्रशासनिक सेवा में चुन कर आईएस आईपीएस बनकर देश को चलाने वाले सिस्टम का अंग बनने का सपना संजोकर अपने घर परिवार शहर से सैकड़ों हजारों किलोमीटर दूर कोचिंग जे करने आए थे उनको कोचिंग संस्थानों की अधिकाधिक कमाई करने और सिस्टम की घातक लापरवाही के कारण असमय अपनी जान गंवानी पड़ी। इस हादसे से समूचे देश में विशेष कर छात्रों में आक्रोश और नाराजगी है, क्योंकि यह हादसा बहुत हृदय विदारक व तीन परिवारों को उनके चिरागों को बुझा कर जीवन भर के लिए ऐसे दुख में धकेलने वाला है जिसकी कोई भरपाई नहीं हो सकती है।

कितने शर्मसार करने वाली बात है कि राजधानी दिल्ली के बीचोंबीच जहां कानून व्यवस्था के राज की गारंटी मानी जाती है और देश के दूर दराज के प्रदेशो से हजारों की संख्या में युवा बेहतर कोचिंग संस्थान में पढ़ कर उच्च पदों पर आसीन होने का सपना लेकर आते हैं यहां भारी भरकम फीस चुकाने के बाद भी उन्हें इतना असुरक्षित स्थानों पर पढने और रहने की जगह मुहैया करायी जा रही है जहां कभी अग्निकांड में कभी करंट आने से कभी सीवर के खुले ढक्कन से गिरने से तो अब बेसमेंट में अचानक पानी भर जाने से जान गंवानी पड़ती है। जाहिर है कि बेशक हम विकास के बड़े बड़े दावे करे विदेशी राजनेताओं को दिखाने के लिए हजारों करोड़ रुपये खर्च कर फर्जी सजावट और दिखावा करें लेकिन हकीकत में भ्रष्टाचार से लबरेज़ सरकारी मशीनरी और लालची कार्पोरेट और बंदरबांट कर रहे राजनीतिक दबंगों के बीच तिरोहित जीवन जीने के लिए मजबूर हैं। राजेंद्र नगर के कोचिंग संस्थान का हादसा भी इसी सब का एक उदाहरण है।

इस हादसे के बाद एक तरफ जहां राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है, तो दूसरी तरफ दोषारोपण का खेल भी। कुछ राजनेता कोचिंग संस्थान को दोषी ठहरा रहे हैं, तो कुछ दिल्ली सरकार को दोषी मान रहे हैं। हकीकत यह है कि अधिक कमाई के लालच में कोचिंग संस्थान के संचालक बहुत तंग जगहो पर बड़ी संख्या में बच्चों को एडमिशन दे कर नाकारा सिस्टम को चौथ देकर कोचिंग सैंटरल चलाते हैं उनमे से अधिकांश के पास फायर व दूसरे सरकारी विभागों की एनओसी तक नहीं होती है हादसे वाले कोचिंग सेंटर में भी बेसमेंट में लाइब्रेरी और क्लास चलाकर सैकड़ों छात्रों के जीवन से खिलवाड़ की जा रही थी। गौरतलब है कि हर साल हजारों की संख्या में देश भर से छात्र बेहतर एक्सपर्ट्स से परिक्षा उपयोगी गाइडेंस व कोचिंग लेकर देश की तमाम सरकारी नियुक्ति परिक्षाओं की तैयारी के लिए आते हैं। ऐसे में सेलेक्शन और बेहतर भविष्य का सपना आंखों में संजोए छात्र बड़े ही उत्साह से प्रतियोगी परीक्षाओं की प्रतिष्ठित और बड़े नाम धारी कोचिंग संस्थाओं में एडमीशन भी लेते हैं। इन कोचिंग संस्थानों में एडमिशन के लिए छात्रों से लाखों रुपए फीस ली जाती है। उन्हें बेहतर पढ़ाई का माहौल सुविधाओं व सलेक्शन का भरोसा दिया जाता है, बावजूद इसके ये संस्थान मूल भूत सुरक्षा संबंधी नियमों की भी उपेक्षा करते हैं। मौजूदा हादसा कोई पहला मामला नहीं है, इसके पहले भी इस तरह की घटनाएं सामने आई हैं। पिछले दिनों 14 अप्रेल को कोटा के एक कोचिंग सेंटर में आग का हादसा हुआ आठ छात्र झुलस गए जबकि एक छात्र चौथी मंजिल से कूद कर जान गंवा दिया। वहीं 24 मई को गुजरात के तक्षशिला अपार्टमेंट में चल रहे एक कोचिंग में आग की घटना में 23 छात्रों की मौत हो गई थी। राजेंद्र नगर के कोचिंग इंस्टीट्यूट में अचानक पानी घुसने का मामला हो या फिर मुखर्जी नगर की कोचिंग में आग लगने का, आए दिन भारी लापरवाही सामने आती है? सवाल है कि बेसमेंट में लाइब्रेरी क्यों बनायी गयी थी और यदि बना भी था, तो आपातकाल में निकलने के लिए रास्ता क्यों नहीं बनाया गया था। आमतौर पर अक्सर दुर्घटना घटित होती है और बच्चों को अपनी जान देकर चुकानी पड़ती है लेकिन कोचिंग संचालकों प्रशासन और सरकार को कोई फर्क नहीं पड़ता है। इस बात पर भी आश्चर्य हो रहा है कि नियम तो कहता है कि किसी भी व्यावसायिक केंद्र के लिए फायर की क्लियरेंस जरूरी है। क्या फायर विभाग के अधिकारियों ने कभी इस इंस्टीट्यूट के भीतर पड़ताल कभी की? इस हादसे को लेकर दिल्ली सरकार पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं। आरोप लगाए जा रहे हैं कि नालों की सफाई नहीं होने के कारण यह हादसा हुआ, क्योंकि एक नाला टूट गया था। ऐसे भी दिल्ली ही नहीं तमाम शहरों में 10 मिनट की तेज बारिश में सड़कों पर पानी भर जाता है। दिल्ली के कई इलाकों में हर साल पानी भरने की घटनाएं सामने आती रही हैं। जिस क्षेत्र में ये कोचिंग सेंटर है, वहां भी ऐसी शिकायतें आती रही है। फिर भी कोई उपाय क्यों नहीं किया गया? यहां पढ़ने वाले छात्रों का कहना है कि हर साल बारिश में यहां की सड़क पर घुटनों तक पानी भर जाता है। बावजूद इसके उन्हें कोचिंग जाना पड़ता है। नियमानुसार बेसमेंट में कोचिंग चल ही नहीं सकती, इसके बाद भी यहां सैकड़ों लाइब्रेरी और कोचिंग बेसमेंट में संचालित हो रहे हैं। आज पानी भरने की घटना से छात्रों की मौत हुई, कल आग या करंट से भी हादसा नहीं हो सकता है इस की क्या गारंटी है? इसलिए जरूरत है कि इस हादसे से सबक लिया जाए और देश के सभी शहरों में तमाम कोचिंग संस्थान के भवनों की भौतिक मजबूती की पड़ताल वहां मूलभूत सुविधाएं पेयजल टायलेट स्वच्छ हवा के साथ आवागमन के लिए पर्याप्त रास्ता आकस्मिक आपदा पर निकासी की व्यवस्था बिजली आग करंट से बचाव के लिए सभी उपाय किए गए हैं या नहीं इन सबकी बाकायदा एनओसी अनिवार्य होनी चाहिए ताकि जानबूझकर अपने सपनों को पूरा करने के लिए कोचिंग संस्थान आने वाले महत्वाकांक्षी प्रतिभाशाली युवाओं को किसी हादसे का शिकार न बनना पड़े। आमतौर पर राजनीतिक दल परस्पर दूसरे सत्ताधारी दल के खिलाफ प्रदर्शन कर अपने दायित्व की पूर्ति करने का नाटक करते हैं लेकिन यह समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। सभी राज्यों को अपने जिला प्रशासन को एडवाइजरी जारी कर तमाम कोचिंग संस्थानों, इंजीनियरिंग व मेडिकल कॉलेजों के क्लास रूम व हॉस्टल पीजी की भी दुर्घटना की दृष्टि से जांच कराने का निर्देश देना चाहिए।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिटेन की छात्रा ने 'यूरोपीय इंफोर्मेटिव ओलंपियाड' में 'टीम इंडिया' के लिए रजत पदक जीता

लंदन/भाषा। लंदन में रहने वाली 17 वर्षीय भारतीय स्कूली छात्रा ने नीदरलैंड में 'यूरोपियन गर्ल्स ओलंपियाड इन इंफॉर्मेटिक्स' (ईजीओआई) प्रतियोगिता में 'टीम इंडिया' के लिए रजत पदक जीता है।

इस प्रतियोगिता में भारतीय दल ने रजत पद के अलावा, दो कांस्य पदक और एक सम्माननीय उल्लेख के साथ अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

डुलविच के 'एलेन्स स्कूल' की छात्रा आन्या गोयल के सामने कंप्यूटर विज्ञान में रुचि रखने वाली छात्राओं की इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में 50 देशों की शीर्ष कोडर की चुनौती थी। यह प्रतियोगिता सप्ताहांत में वेल्डहोवन में संपन्न हुई।

गणित में रुचि रखने वाले छात्रों ने टीमों के लिए निर्धारित चुनौतियों की एक शृंखला को हल करने के लिए नवोन्मेषी समाधान निकाले।

गोयल ने कहा, ''मुझे बहुत गर्व महसूस हो रहा है कि मैंने 'यूरोपियन गर्ल्स ओलंपियाड इन इंफॉर्मेटिक्स' में भारत के लिए ऐसे समय में रजत पदक जीता है जब प्रतिस्पर्धी प्रोग्रामिंग दुनिया भर में, विशेषकर भारत में सबसे लोकप्रिय खेलों में से एक के रूप में उभर रही है।''

गोयल ने अपने इस पदक को 'टीम इंडिया' के अपने सहयोगी स्टाफ को समर्पित करते हुए कहा कि इस जीत में उनकी टीम के तीन अन्य सदस्यों और टीम का नेतृत्व करने वाली सोनिया का बड़ा हाथ है।

टीम का मार्गदर्शन 'इंटरनेशनल ओलंपियाड इन इन्फॉर्मेटिक्स' (आईओआई) के रजत पदक विजेता पारस कारमलकर ने किया।

प्रदर्शन

कोलकाता में मंगलवार को साक्षात्कार में उपेक्षित 2022 प्राथमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण अभ्यर्थी कोलकाता में अपनी स्थायी नौकरियों मांगों को लेकर प्रदर्शन करते हुए।

भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आएंगे वियतनाम के प्रधानमंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। वियतनाम के प्रधानमंत्री फाम मिन्ह चिन्ह द्विपक्षीय रणनीतिक संबंधों को और विस्तारित करने के लिए भारत की तीन दिवसीय यात्रा पर आयेंगे।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि चिन्ह 30 जुलाई से एक अगस्त तक भारत की राजकीय यात्रा करेंगे।

भारत, वियतनाम को अपनी 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के तहत एक प्रमुख देश और अपने हिंद-प्रशांत दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण साझेदार मानता है।

चिन्ह के साथ कई मंत्रियों, उप-मंत्रियों और व्यापारिक नेताओं सहित एक उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल के आने की उम्मीद है।

चिन्ह का एक अगस्त को राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में पारंपरिक स्वागत किया जाएगा जिसके बाद वह महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि देने के लिए राजघाट जाएंगे।

इसी दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और चिन्ह के बीच द्विपक्षीय चर्चा प्रस्तावित है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार चिन्ह का राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से भी मुलाकात का कार्यक्रम है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के भी चिन्ह से मुलाकात करने की संभावना है।

मुझे गर्व है कि मैं जाट हूं और मेरी जाति ओबीसी श्रेणी में आती है : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को बताया कि उन्हें गर्व है कि वह जाट हैं और उनकी जाति को राजस्थान के साथ ही केंद्रीय सूची में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) का दर्जा मिला हुआ है।

सभापति को अपनी जाति के बारे में यह सफाई राज्यसभा की कार्यवाही के दौरान उस वक्त देनी पड़ी जब सत्ता पक्ष के एक सदस्य ने बजट चर्चा में हिस्सा लेते हुए धनखड़ को ओबीसी बताया और उस पर कांग्रेस की एक सदस्य ने सवाल खड़े किए। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के घनश्याम तिवाड़ी ने कांग्रेस और विपक्षी सदस्यों द्वारा जाति आधारित जनगणना की मांग उठाए जाने पर एक उदाहरण देते हुए बताना चाहा कि इस सरकार में कैसे विभिन्न जातियों को प्रमुखता दी गई है। उन्होंने कहा कि संसद के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करते जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू आईं थी तो वह सबसे आगे थीं और वह आदिवासी समुदाय से ताल्लुक रखती हैं। उन्होंने कहा, ''उनके पीछे उपराष्ट्रपति धनखड़ साहब थे जो ओबीसी हैं। और मैं ब्राह्मण इन सबकी आरती उतार रहा हूं।''

इसी समय कांग्रेस की रजनी पाटिल ने सवाल किया कि 'धनखड़ साहब' कब से ओबीसी हो गए वह तो जाट हैं।

इस पर सभापति ने कहा कि उन्हें कभी अपनी जाति बताने की आवश्यकता नहीं पड़ी लेकिन आज वह बता रहे हैं। उन्होंने कहा, ''मैं जाट जाति से हूं और मुझे गर्व है। यह जाति राजस्थान में ओबीसी में है और केंद्रीय सूची में भी ओबीसी में है।'' उन्होंने सवाल उठाने वाली पाटिल से कहा कि वह भी जाटों से वाकिफ हैं इसलिए अपनी रिश्तेदारी भी जाटों में की है। धनखड़ ने आगे कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के जमाने में पहली बार राजस्थान के जाटों को ओबीसी सूची में डाला गया था। भाजपा के सदस्य के लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस वालों को पता ही नहीं है कि कौन ओबीसी है और कौन अनुसूचित जाति है। उन्होंने कांग्रेस पर तंज कसते हुए कहा कि इनके नेता जाति जनगणना की मांग करते हैं और उन्हें ओबीसी के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

धनखड़ ने कहा कि उन दिनों वह जाट आरक्षण समिति के प्रमुख प्रवक्ता थे और इसकी एक छह सदस्य समिति ने वाजपेयी से मुलाकात कर जाटों को ओबीसी श्रेणी में डालने की मांग की थी। उन्होंने यह भी कहा कि जाटों को पहले केंद्रीय सूची में ओबीसी में डाला गया और फिर बाद में आनन फानन में राजस्थान की तत्कालीन सरकार ने उन्हें ओबीसी का दर्जा दिया। उन्होंने कहा कि उस समय राजस्थान में कांग्रेस की सरकार थी और उसने जाटों को ओबीसी का दर्जा भी दे दिया लेकिन कई ऐसी कमियां छोड़ दी जिसकी वजह से मुकदमे तक लड़ने पड़े।

धनखड़ ने कहा, ''किसान कभी चक्रव्यूह में नहीं फंसेगा, चाहे कितनी भी कमी कर लो। ऊपर वाले की कृपा है।'' बाद में बजट के बारे में अपना पक्ष रखते हुए तिवाड़ी ने कहा कि आम बजट 2024-2025 वर्तमान का भी है, भूत का भी हैं और भविष्य का भी है।

खलनायिका की भूमिका निभाना चाहती हैं अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती

मुंबई/भाषा। अभिनेत्री सुमोना चक्रवर्ती ने कहा कि वह बड़े पर्दे पर खलनायिका से लेकर खुफिया अधिकारी तक के किरदार करना चाहती हैं। धारावाहिक 'बड़े अच्छे लगते हैं' और कॉमेडी शो 'कॉमेडी नाइट्स विद कपिल' तथा 'द कपिल शर्मा शो' से छोटे पर्दे पर पहचान बनाने वाली अभिनेत्री ने कहा कि वह अच्छा काम करने को उत्सुक हैं। अभिनेत्री ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मैं एक्शन तथा रोमांचक भूमिकाएं करना चाहती हूं क्योंकि मुझे डिजिटल मंच पर अपराध तथा खून-खराबा देखना पसंद है। मैं अलग-अलग भूमिकाएं करना चाहूंगी। मैं खलनायिका या खुफिया अधिकारी की भूमिका निभाना पसंद करूंगी। उन्होने कहा, कलाकार कभी भी पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हो पाते क्योंकि हम हमेशा अधिक तथा अलग की तलाश में रहते हैं। मैंने फैसला किया है कि मुझे 'फिक्शन' और विभिन्न प्रकार के किरदार करने की अपनी चाह को पूरा करना है। ओटीटी मंच पर बेहद अच्छा काम हो रहा है। मुझे उम्मीद है कि लोग मेरे साथ काम करना पसंद करेंगे..''सुमोना इन दिनों रियलिटी स्टंट शो 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन 14 में नजर आ रही हैं। इसकी शूटिंग रोमानिया में की गई। उन्होंने कहा, यह काफी उत्साहजनक रहा। यह जीवन में एक बार मिलने वाला अनुभव था क्योंकि जो स्टंट आपको वहां करने को मिलते हैं वे आपको बॉलीवुड या हॉलीवुड फिल्मों में करने को नहीं मिलेंगे। हर एक स्टंट मुश्किल था। मुझे नहीं लगता कि कोई पैसे देकर भी ऐसा अनुभव हासिल कर सकता है। 'खतरों के खिलाड़ी' के सीजन-14 का प्रसारण गत शनिवार से कलर्स टीवी पर शुरू हुआ। सुमोना चक्रवर्ती के अलावा इसमें 11 अन्य प्रतियोगी शिल्पा शिंदे, असीम रियाज, कृष्णा श्रॉफ, शालीन भनोट, अभिषेक कुमार, निमृत कौर अहलूवालिया, करण वीर मेहरा, केदार आशीष मेहरोत्रा, अदिति शर्मा, गश्मीर महाजनी और नियति फतनानी हैं।

सावन के दूसरे सोमवार को शिवांगी जोशी व रुबीना दिलैक ने भगवान शिव के किए दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

टीवी की दो पॉपुलर एक्ट्रेस शिवांगी जोशी और रुबीना दिलैक ने सावन के दूसरे सोमवार के मौके पर भगवान शिव के मंदिर में जाकर उनका दर्शन किया और आशीर्वाद लिया। रुबीना ने इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर की। इसमें वह व्हाइट सलवार कमीज और ब्लैक कलर की नेहरू जैकेट पहने हुए नजर आ रही हैं। वह महादेव मंदिर में हाथ जोड़कर प्रार्थना करती हैं। उन्होंने वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, हर हर महादेव। रुबीना को टीवी शो 'छोटी बहू' में राधिका शास्त्री के किरदार के लिए जाना जाता है। उन्होंने कई शोज किए। उन्हें 'शक्ति- अस्तित्व के एहसास की' में एक ट्रांसजेंडर महिला सौम्या सिंह के किरदार के लिए दर्शकों से बेहद प्यार मिला।

वह सलमान खान द्वारा होस्ट किए गए 'बिग बॉस 14' की विनर भी रहीं। इसके बाद वह 'खतरों के खिलाड़ी 12' और 'झलक दिखला जा 10' जैसे रियलिटी शो में नजर आईं। वहीं, एक्ट्रेस शिवांगी जोशी ने शिवलिंग की तस्वीर शेयर की, इसके बैकग्राउंड में 'ओम नमः शिवाय' बज रहा है। शिवांगी ने 2013 में 'खेलती है जिंदगी आंख मिचोली' से एक्टिंग करियर की शुरुआत की, जहां उन्होंने त्रिशा का किरदार निभाया। इसके बाद उन्होंने 'बेइंतहा' में आयत हैदर का किरदार निभाया। लेकिन पहचान 'बेगूसराय' से मिली। इसमें एक्ट्रेस ने पूनम ठाकुर का रोल अदा किया। इसमें विशाल आदित्य सिंह, श्वेता तिवारी और सरताज गिल भी थे। शिवांगी 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के अलावा 'ये है आशिकी', 'बालिका वधू 2' और 'प्यार तूने क्या किया' में भी दिखाई दीं। एक्ट्रेस ने कुशाल टंडन के साथ 'बरसातें-मौसम प्यार का' में काम किया। इसके अलावा, शिवांगी वेब सीरीज 'जब वी मैच्ड' का हिस्सा रही हैं और स्टंट-बेस्ड रियलिटी शो 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 12' में भाग लिया।

फिल्म 'सास का मुंह काला बहू का बोलबाला' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा की सुपर अभिनेत्री काजल राघवानी और अभिनेता गौरव झा की नई फिल्म सास का मुंह काला बहू का बोलबाला का ट्रेलर रिलीज हो गया है।

वर्ल्डवाइड फिल्म प्रोडक्शंस प्रस्तुत फिल्म सास का मुंह काला बहू का बोलबाला का ट्रेलर इंटर 10 रंगीला के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हुआ है, जिसके निर्माता प्रदीप सिंह, विनय सिंह और प्रतीक सिंह हैं, जबकि निर्देशक अजय कुमार झा हैं। काजल राघवानी ने कहा कि यह अपने आप में एक अलग तरह की फिल्म है,महिला प्रधान होते हुए भी इस फिल्म को हर वर्ग के दर्शकों को देखना चाहिए, इसमें मैं केन्द्रीय किरदार में हूँ, जो उम्मीद करती हूँ सबों को पसंद आएगी। वहीं, फिल्म के निर्माता और निर्देशक ने बताया कि यह फिल्म दर्शकों को हंसाने और एक नई सोच देने के उद्देश्य से बनाई गई है। ट्रेलर में काजल राघवानी और गौरव झा की शानदार केमिस्ट्री नजर आ रही है, जो दर्शकों को फिल्म के प्रति आकर्षित कर रही है। फिल्म सास का मुंह काला बहू का बोलबाला में गौरव झा, काजल राघवानी, प्रियंवदा पांडेय, प्रकाश जैश, गोपाल चौहान, ललित उपाध्याय, रिंकू भारती, श्वेता वर्मा, रोहित सिंह मटरू, के.के गोस्वामी, प्रेम दुबे, विद्या सिंह मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म के लेखक अरबिंद तिवारी ,संगीतकार ओम झा , गीतकार अरबिंद तिवारी हैं। छायांकन मनोज कुमार सिंह ने किया है।संकलन धरम सोनी, नृत्य कानू मुखर्जी, कला रणधीर एन दास, वेशभूषा विद्या-विष्णु, पार्श्व संगीत एवं मिक्सिंग प्रियांशु राज, कार्यकारी निर्माता कमल यादव, राजू रेड्डी हैं।

फिल्म 'केडी द डेविल' से संजय दत्त का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई एजेन्सी

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त के जन्मदिन पर फिल्म केडी द डेविल से उनका फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया गया है।

संजय दत्त आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं।संजय दत्त के जन्मदिन के खास मौके पर फिल्म केडी द डेविल से उनका फर्स्ट लुक रिलीज किया गया है। इस फिल्म में संजय दत्त देव के किरदार में नजर आयेंगे। केडी-द डेविल के निर्देशक प्रेम ने कहा,फिल्म जगत में संजय दत्त की महानता को कौन नहीं जानता? उन्होंने कई प्रभावशाली भूमिकाएं निभाई हैं। उनके मुन्नाभाई को आज भी बहुत सराहा जाता है, मैं बहुत आभारी और धन्य महसूस करता हूं कि वो यह फिल्म करने के लिए राजी हुए और उनके साथ काम करना एक खुशी की बात थी।

वहीं संजय दत्त ने कहा,मैं केडी- द डेविल का हिस्सा बनकर बेहद खुश हूं। प्रेम सर ने जिस तरह से फिल्म की दुनिया की कल्पना की है, वह मुझे बहुत पसंद आया। यह एक ऐतिहासिक एक्शन और पैन इंडिया फिल्म है। मुझे इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत अच्छा लगा, जिसमें इंडस्ट्री के कुछ बेहतरीन दिमाग इस प्रोजेक्ट के लिए साथ काम कर रहे थे।

केडी-द डेविल में संजय दत्त के अलावा शिल्पा शेट्टी, नोरा फतेही, रमेश अरविंद, वी रविचंद्रन और ध्रुव सरजा भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। 1970 के दशक के बैंगलोर की सच्ची घटनाओं पर आधारित पीरियड एक्शन एंटरटेनर, केडी-द डेविल को केवीएन प्रोडक्शंस द्वारा प्रस्तुत किया गया है और प्रेम द्वारा निर्देशित हैं। यह पैन इंडिया बहुभाषी फिल्म तमिल, कन्नड़, तेलुगु, मलयालम और हिंदी में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

जयंती रेड्डी के कलेक्शन में भारतीय संस्कृति की झलक दिखती है : अदिति राव हैदरी

नई दिल्ली/एजेन्सी

अदिति राव हैदरी ने एक बार फिर अपनी खूबसूरती से सबका दिल चुरा लिया है। एक्ट्रेस ने एफडीसीआई इंडिया कॉउचर वीक में फैशन डिजाइनर जयंती रेड्डी के कलेक्शन के लिए शोस्टॉपर के तौर पर रैंप वॉक किया। गोल्डन शरारा सेट में अदिति परियों जैसी नजर आ रही थीं। इस शरारा सेट में लॉन्ग स्लीव्स, डीप नेकलाइन और प्लीटेड डिटेल्स थीं। आउटफिट के बॉर्डर पर मोतियों का काम किया गया था।

इस आउटफिट के साथ अदिति ने ग्लैमरस मेकअप किया। रेड लिप्स, हाइलाइट फेस और सिग्नेचर आइब्रो में एक्ट्रेस बोल्ड लुक दे रही थीं। उन्होंने अपने बालों को खुला छोड़ा हुआ था। जूलरी की बात करें तो एक्ट्रेस ने बड़े पेंडेंट वाला चोकर मोती से बना नेकलेस पहना। अपने आउटफिट और कलेक्शन के बारे में बात करते हुए अदिति ने कहा, ''मुझे खुशी है कि फैशन डिजाइनर जयंती ने अपने कलेक्शन में ऐसी चीजों को चुना, जो बहुत आरामदायक, मजेदार और सुंदर हैं, और उनका शिमर के साथ काम बहुत अच्छा है। उनके डिजाइन भारतीय परंपराओं से जुड़े हुए हैं और उनमें भारतीय संस्कृति की झलक दिखती है।''

एक्ट्रेस ने कहा, यह डिजाइन पारंपरिक कलाओं जैसे कि जरदोजी, बीडवर्क और थ्रेड के जरिए बनाया गया है। इसे इतनी आसानी से बनाया गया है कि यह आज के समय में भी फिट बैठता है। यह हैदराबाद की पुरानी और सुंदर शिल्पकला को दिखाता है। जयंती का नामचीन लग्जरी लेबल जो पुरानी दुनिया के आकर्षण को दर्शाता है, अपने उत्तम दर्जे के और ठाठ वाले वस्त्र संग्रह के माध्यम से महिलाओं का जश्न मनाता है। अपने शो के बारे में जयंती ने कहा, मेरे कलेक्शन का नाम 'थ्रेड्स टू लिगेसी' है और यह नवाबों और निजामों से प्रेरित है। मैं हैदराबाद से हूं और यह शहर सांस्कृतिक रूप से बहुत समृद्ध है। मेरे संग्रह का नाम 'धागे विरासत' है, और यह नवाबों

और निजामों से प्रेरित है। मैं हैदराबाद से हूं और यह शहर सांस्कृतिक रूप से बहुत समृद्ध है। फैशन डिजाइन काउंसिल ऑफ इंडिया (एफडीसीआई) ने इंस्टाग्राम पर अदिति के रनवे वॉक को शेयर करते हुए लिखा, हुंडई इंडिया कॉउचर 2024 में जयंती रेड्डी के लिए अदिति राव हैदरी शोस्टॉपर बनीं। जयंती रेड्डी का कलेक्शन 'इवोकेटिव नवाबी कैनवास' हैदराबाद की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। इस कलेक्शन में एंटीक मोटिफ्स के साथ हेरिटेज टेक्सटाइल्स को दिखाया गया है, जो भारत के शाही अतीत को फिर से दर्शाता है।

राजघरानों की भव्य जीवनशैली से प्रेरित, जो कढ़ाई के डिजाइन पुराने समय में राजाओं और रानियों के कपड़ों पर किए जाते थे, उन्हें लगभग 40 अलग-अलग तरीकों से दिखाया गया है।'' वर्कफ्रंट की बात करें तो अदिति जल्द ही किशोर पांडुरंग बेलेकर द्वारा निर्देशित मूक फिल्म 'गांधी टॉक्स' में नजर आएंगी।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) का तीन दिवसीय 29वां सिगा गारमेन्ट फेयर 2024 का मंगलवार को उदघाटन हुआ। सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला, उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व किशोर जैन, मंत्री राजेश चावत, सहमंत्री गोविंद मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष तेजस मेहता व जोला कम्पनी के परेश शाह सहित अन्य पदाधिकारियों ने फेयर स्थल पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर इस सिगा गारमेन्ट फेयर का विधिवत उदघाटन किया।

‘सिगा गारमेन्ट फेयर’ में लगे 70 से अधिक स्टॉल, पहले दिन दिखा अच्छा रेस्पांस

पैलेस ग्राउंड प्रिंसेस श्राइन सभागार में 1 अगस्त तक चलेगा फेयर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। साउथ इंडिया गारमेन्ट एसोसिएशन (सिगा) का तीन दिवसीय 29वां सिगा गारमेन्ट फेयर 2024 का मंगलवार को उदघाटन हुआ। सिगा के अध्यक्ष अनुराग सिंघला, उपाध्यक्ष नरेश लखनपाल व किशोर जैन, मंत्री राजेश चावत, सहमंत्री गोविंद मूंदड़ा, कोषाध्यक्ष तेजस मेहता व जोला कम्पनी के परेश शाह सहित अन्य पदाधिकारियों ने फेयर स्थल पैलेस ग्राउंड स्थित प्रिंसेस श्राइन सभागार में दीप प्रज्वलित कर फीता काटकर इस सिगा गारमेन्ट फेयर का विधिवत उदघाटन किया। इस फेयर के पहले दिन एक विशेष स्मारिका का भी विमोचन किया गया। प्रवेश से लेकर फेयर के अंदर सिगा के सदस्यों ने बहुत ही अच्छी व्यवस्था की है। सिगा के पदाधिकारियों के साथ कार्यकारिणी समिति के अजीत जैन, दानेश शाह, राज टेकरीवाल व सत्यनारायण एनटी और अन्य समितियों के सदस्य फेयर की व्यवस्था में व्यस्त नजर आए।

इस बी-टू-बी फेयर में 100 करोड़ से अधिक के व्यापार की संभावना

उदघाटन सत्र में अध्यक्ष अनुराग सिंघला ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि फेयर में देश भर से विभिन्न नामी गिरामी ब्रांड पुरुष, महिलाओं व बच्चों के वर्ग के वैवाहिक, केजुअल, डिजाइनर, फार्मेल, वेर्स्टन, विन्टरवियर, नवजात बच्चों के कपड़ों का नया कलेक्शन 70 से अधिक स्टाल लगाए गए। उन्होंने कहा कि पहले दिन से फेयर में व्यापारियों व खुदरा व्यापारियों की अच्छा रेस्पांस देखने को मिला। उन्होंने कहा कि इस वर्ष इस मेले में लगभग 100 करोड़ से अधिक की बुकिंग व व्यापार होने के संभावना है। सिगा फेयर एक बी–टू–बी फेयर है जिसमें ऑटम व विन्टर के कलेक्शन प्रदर्शित किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि यह फेयर कई निर्माताओं के लिए अपने नए उत्पाद प्रदर्शित करने के लिए सबसे अच्छा माध्यम बनता है। इस वर्ष भी बड़ी संख्या में अनेक निर्माता व थोक व्यापारी अपने नए उत्पादों को प्रदर्शित कर रहे है और साथ ही बुकिंग के लिए नई नई स्कीम भी ला रहे हैं। इस बार इस फेयर में जोला कम्पनी मुख्य रुप से सहयोग कर रही है। अनुराग सिंघला ने बताया कि इस फेयर में फैशन्स शो का भी आयोजन किया जाएगा जिसमें व्यापारी अपने नए उत्पादों का मॉडलों के माध्यम से प्रदर्शन कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह के व्यापारिक मेले उद्योग को नई दिशा देने में बहुत ही कारगार सिद्ध होते हैं यहीं कारण है कि सिगा गत 28 वर्षों से इस तरह का वार्षिक मेला आयोजित करता आ रहा है।

व्यापारियों द्वारा व्यापारियों के लिए ही है यह फेयर

फेयर के बारे में बताते हुए मंत्री राजेश चावत ने बताया कि यह वार्षिक फेयर 31 जुलाई तथा 1 अगस्त तक आयोजित है। चावत ने सभी स्टॉल लगाने वाले व्यापारियों के प्रति धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि यह फेयर व्यापारियों द्वारा और व्यापारियों के लिए ही लगाया जाता है ताकि कपड़ा उद्योग को नए गति मिले। उन्होंने कहा कि इस बार पूरे देश से नामी गिरामी ब्रांड इस फेयर में भाग ले रहे है और आगामी माहों में आने वाले उत्सव व पर्वो के मद्देनजर इस फेयर में अच्छी बुकिंग की संभावना है।

कपड़ा उद्योग में सिगा फेयर की है अलग पहचान

फेयर के संयोजक गोविंद मूंदड़ा ने बताया कि इस वार्षिक फेयर का दक्षिण भारत ही नहीं अपितु पूरे देश में अपनी अलग पहचान है और इस तीन दिवसीय मेले में दक्षिण भारत सहित पूरे देश से व्यापारियों के आने की संभावना है। पहले दिन ही ग्राहकों की संख्या को देखकर कमेटी सदस्यों में विशेष उत्साह है। उन्होंने बताया कि हर बार की तरह इस बार भी फेयर में जमकर बुकिंग हो रही है और निर्माता, थोक व्यापारियों, वितरकों व खुदरा व्यापारियों के बीच आपसी व्यापारिक मेलमिलाप हो रहा है।

राजाजीनगर में कार्यशाला में कैंसर जागरूकता पर हुई चर्चा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन राजाजीनगर में तेरापंथ महिला मंडल राजाजीनगर द्वारा ‘कैंसर जागरूकता अभियान’ के अंतर्गत फिजिकल हेल्थ ओर स्प्रिरिचुअल हेल्थ की कार्यशाला का आयोजन किया। अध्यक्षा उषा चौधरी ने सभी का स्वागत किया। प्रशिक्षक श्री राम हिल्सराय ने बताया कि हर बीमारी का समाधान हमारे भीतर ही है बस हम उससे अनजान हैं। बाहरी वातावरण बीमारी का कारण होता है हमारे पास पूरा ज्ञान नहीं होता है जिसके कारण बीमारियां जागृत होती है। उन्होंने बीमारियों से बचने के लिए योगासन करवाए। इंटरनेशनल प्रेक्षाध्यान ट्रेनर रेनू कोठारी ने प्रेक्षाध्यान के बारे में बताते हुए कहा कि प्रेक्षाध्यान संपूर्ण मानव जाति के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है। कोठारी ने नीले रंग की 21बार स्वास्थ्य अनुप्रेक्षा व अन्य जाप करवाए जिससे कैंसर जैसी बीमारी से बचा जा सकता है।योग करने से शरीर स्वस्थ रहता है और प्रेक्षाध्यान करने से मन स्वस्थ रहता है । दोनों प्रशिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यशाला का संचालन मंत्री लता नवलखा ने किया। संयोजिका सपना गन्ना ने दोनों ट्रेनर्स का परिचय दिया। सहमंत्री सुरेखा श्रीश्रीमाल ने धन्यवाद दिया।

‘महापुरुषों का जीवन वंदनीय, पूजनीय एवं अनुकरणीय’

आनंदऋषि जयंती पर सप्तदिवसीय आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रमण संघ के द्वितीय पट्टधर आचार्य आनंदऋषिजी के 124 वें जन्म दिवस के अवसर पर वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ श्रीरामपुरम में सप्त दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे है। साध्वी विपुलदर्शनाजी के सान्निध्य में होने वाले शत्तकोत्तर रजत जयंती महोत्सव की शुरुआत मंगलवार को हुई। प्रथम दिवस के विषय महापुरुषों का मंगलाचरण पर बोलते हुए साध्वीश्री ने कहा कि महापुरुषों का जीवन वंदनीय, पूजनीय एवं अनुकरणीय होता है, हमे उनके जीवन को समझने तथा सिद्धांतों को देखने की आवश्यकता है। उन्होंने आचार्य आनंदऋषि को ज्ञान के क्षेत्र का सूर्य बताया। आधुनिकता पर उन्होंने कहा कि आज खुलेपन के कारण मनुष्य अमर्यादित होता जा रहा है, हमे सोचना होगा कि हमारी आंखो के शर्म का पानी क्यों सूखता जा रहा है? दुर्गुणों के कारण आज हमारे जीवन में अंधेरा है और इस अंधेरे को सद् गुणों के प्रकाश से दूर किया जा सकता है।

साध्वी विपुलदर्शनाजी ने कहा कि आचार्य आनंदऋषिजी ने आंख में शर्म, जुबान में संस्कार, जीवन में संयम और मन में विवेक से अपने जीवन में मंगलाचरण किया था, महापुरुष आदर्श स्थापित करते थे इसीलिए उनको पूजा जाता है, उनके आदर्शों पर चलकर विश्व विकास किया जा सकता है। संघ के मंत्री अशोककुमार गुगालिया ने बताया कि 5 अगस्त को आचार्य आनंदऋषि के जंयती पर देश भर में सवा लाख आयंबिल व्रत के आराधना की संभावना है। सहमंत्री सिद्धार्थ बोहरा ने बताया इन आयोजनों में शहर के उपनगरों के साथ–साथ देश के अन्य नगरों के श्रावक भी पहुंच रहे है।

इस दौरान सामायिक, एकासन, आयंबिल व्रत, धार्मिक परीक्षा, धार्मिक नाटक के साथ अन्य धार्मिक क्रियाओं का आयोजन होगा। प्रथम दिन के आयोजन का लाभ गौतमचंद पुनीतकुमार खींवेसरा ने लिया। संचालन संघ के अध्यक्ष शांतिलाल खींवेसरा ने किया।

यम-नियम बंधन नहीं, जीवन की सुरक्षा व्यवस्था है : आचार्य विमलसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैसूरु। शहर के नजरबाद स्थित बुद्धि वीर वाटिका के विशाल पंडाल में श्रद्धालुओं को मार्गदर्शन देते हुए जैनाचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि जिनकी स्वच्छंद मानसिकता होती है, उनको यम–नियम बंधन लगते हैं। वे अपने मन पर किसी का नियंत्रण नहीं चाहते। मन की मनस्विता का यह परिणाम है कि वह धर्मगुरु, शिक्षक, शास्त्र या अभिभावक, किसी की भी शर्म अथवा अधीनता नहीं चाहता। ऐसे लोग अजीबोगरीब स्वभाव के होते हैं और अक्सर जीवन से भटक जाते हैं, ठीक वैसे ही, जैसे बिना नियंत्रण के तेज रफ्तार से चलता कोई वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। नीति, नियम और अनुशासन के अभाव में उनका जीवन अनियंत्रित होता है। ऐसे लोग स्वयं को बहुत समझदार मानते हैं्। उनका परिपुष्ट अभिमान अनेक ठोकरें खाकर भी नहीं टूटता। यह दयनीय स्थिति है। दरअसल यम–नियम तो जीवन के लिए उपकारी हैं्। वे हमें भटकने और पतित होने से बचते हैं। जैनाचार्य ने कहा कि जिनके जीवन में यम–नियमों का अनुशासन होता है, ऐसे एक भी व्यक्ति को मैंने कभी धूम्रपान, शराब, जुआ, मांसाहार, झूठ, प्रपंच, चोरी अन्य कोई अपराध करते हुए नहीं देखा। नीति–नियमों से बंधे जीवन की यहीं महान् उपलब्धि है। इस अर्थ में नीति–नियम मनुष्य जीवन का श्रृंगार है और जिन पर नीति–नियमों का अंकुश नहीं रहा, ऐसे एक भी जीवन को मैंने सुरक्षित नहीं पाया। इसलिए यही परम सत्य है कि यम–नियम बंधन नहीं, जीवन की सुरक्षा व्यवस्था है। किसी भी हितकर व्यवस्था को बंधन मानना अपनी अज्ञानता है।

जैनाचार्य ने आगे बताया कि बंधनों की अगर चर्चा करें तो सरकार और समाज, पुलिस और न्यायालय, स्कूल–कॉलेज और व्यापार व बाजार के नीति–नियमों का पालन करना पड़ता है। सिर्फ धार्मिक नीति–नियम ही लोगों को अखरते हैं्। एक बार निष्पक्ष भावों से धार्मिक नीति–नियमों की आवश्यकता, उपयोगिता और महत्ता पर चिंतन–मंथन करना चाहिये। तभी जीवन का खरा मूल्यांकन हो सकता है। कल्याण मित्र वर्षावास समिति के कांतिलाल चौहान ने बताया कि शहर में पहली बार आयोजित होने जा रहे नवग्रह शांति अनुष्ठान की तैयारियां जोरों से चल रही है। गणि पद्मविमलसागरजी ने शत्रुंजय तपाराधकों को स्तोत्रपाठ और मंत्रजप करवाये। अशोक दांतेवाड़िया ने जानकारी दी कि आयंबिल की साधना में साधकों की सहभागिता बढ़ रही है।

‘आलस्य नहीं करने से हमारा विकास हो सकता है’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा मालगला स्थित गवर्नमेंट प्राइमरी स्कूल में ’आलस्य नहीं समय का सदुपयोग करें’ विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत किया। मुख्य वक्ता लता नवलखा का परिचय उपाध्यक्ष सुमित्रा बरडिया ने दिया। लता नवलखा ने विषय पर कन्नड़ भाषा में अपनी प्रस्तुति देते हुए बच्चों की शंकाओं का समाधान किया। उन्होंने कहानी के माध्यम से बच्चों को समझाया कि आलस्य नहीं करने से हमारा विकास हो सकता है व हमारा भविष्य उज्ज्वल बन सकता है। कार्यक्रम की संयोजिका महिमा पटावरी एवं रक्षा मांडोत ने भी विषय पर अपनी प्रस्तुति दी । सुमित्रा बरडिया ने ओम की ध्वनि महाप्राण ध्वनि का प्रयोग करवाया। मंत्री दीपिका गोखरू ने धन्यवाद दिया। बच्चों को मंडल की ओर से उपहार दिए गए।

‘विनयगुण का नाश करता है मान’

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ हनुमंतनगर में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री धर्मप्रभाजी ने गुरु मिश्री दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं से कहा कि मान मुक्ति में बाधक हैं। मान, अहंकार का दुर्गुण व्यक्ति को जीवन में नीचे पत्न की ओर ले जाता है। रावण बहुत बड़ा विद्वान और शास्त्रों क ज्ञाता था किंतु उसके जीवन में और उसके आचरण में विनम्रता ना होकर दंभ और मान, अहंकार, घमण्ड समाविष्ट था, जिसके कारण रावण के जीवन का पतन हुआ्। अहंकार, धमण्ड में फूला हुआ व्यक्ति संसार में थोड़ा पाकर भी अपने धन वैभव ऐश्वर्य, ज्ञान में अपने आप को सर्वशक्तिमान, महाज्ञानी पंडित समझकर कुंए के मेंढक की तरह ’अर्धजल गगरी छलकत जाय’ की कहावत को सिद्ध करता हैं्। महान तथा ज्ञानी व्यक्ति के व्यक्तित्व में विनम्रता सरलता, सहिष्णुता, सादगी झलकती हैं्। मान विनयगुण का नाश करता हैं्। । उन्होंने कहा कि यह मानव जीवन ओस के मोती बिन्दु के समान क्षण भंगुर हैं्। मानव की मुक्ति चाहिये तो उसे मान कषाय का त्यागकर अपने जीवन में सरलता के गुण को अपनाना चाहिये। साध्वी श्री जी ने सती अंजना चरित्र का भी वाचन एवं विवेचन सभा में प्रस्तुत किया।

साध्वीश्री स्नेहप्रभाजी ने भगवान महावीर की अंतिम देशना श्री उत्तराध्ययन सूत्र के माध्यम से बताया कि संसार में पांच तरह के प्रकृति – स्वभाव वाले को ज्ञान की प्राप्ति नहीं होती हैं, वह इस प्रकार हैं अहंकारी, मान घमण्ड करने वाला, क्रोधी, प्रमादी, चौथा रोगी और पांचवा आलसी। अहंकार में डूबा हुआ व्यक्ति दूसरों को परछाई के समान अस्तित्वहीन, तुच्छ समझता है। व्यक्ति के जीवन में प्रगति के द्वार तभी तक खुले रहते हैं जब तक वह विनम्र–छोटा बनकर रहता है। बड़ा हुआ पेट और आया हुआ अहंकार से ग्रसित मानव चाह कर भी किसी से गले नहीं मिल सकता है। अहंकार पतन का द्वार हैं्। धर्मसभा में अलसूर संघ के अध्यक्ष नेमीचंद चोरड़िया व कृष्णगिरि महिला मण्डल ने साध्वीहन्द के दर्शन किए। मंत्री सुरेश कुमार धोका ने संचालन किया।

दूसरों के दुख में दुखी होने वाला संवेदनशील पुरुष : साध्वी स्वर्णांजनाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी स्वर्णांजनाश्रीजी ने अपने प्रवचन में कहा कि आध्यात्मिक दृष्टिकोण से सामने गलत दिखने पर भी ग़लत नहीं मानना चाहिए्। परमात्मा के जिनशासन पर अटूट निश्चय श्रद्धा रखनी चाहिए्। परमात्मा हमारी आत्मा में जब वास करते हैं तब हमारे जीवन से कृपणता दूर होकर उदारता आने के साथ ही हमारे हृदय से कठोरता दूर होकर कोमलता का वास होने लगता है। दूसरों के सुख को देखकर दुखी होने वाला, दूसरों के दुख देखकर दुखी होने वाला, दूसरों को दुख देकर सुखी होने वाले और दूसरों को सुख देकर सुखी होने वाले ऐसे चार प्रकार के मनुष्य होते हैं। हमें किस प्रकार का मनुष्य बनना है इसका हमें चिंतन करना है। अगर किसी दूसरों के दुख देखकर हम अगर द्रवित नहीं होते हैं तो हमें समझना है कि अभी तक हमारे हृदय में कठोरता बसी हुई है। जीवन में दुख आने पर प्रतिकार नहीं करके उनका सत्कार करना है और परमात्मा का कर्म बंधन कटने का उपकार मानना है। जो महापुरुष होते हैं वो किसी दूसरों को दुख देने की सोच भी नहीं सकते।

ज्ञान से आत्मा कोमल व धर्म योग्य बनती हैं

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गणेश बाग में चातुर्मासार्थ विराजित विनयमुनिजी खींचन ने कहा कि मनुष्य भव कर्म श्रृंखला तोड़ने के लिए एक अवसर है। जीवन में आने वाले दुख असाता वेदनीय कर्म हैं जो पूर्व में हमारे द्वारा ही संचित हैं्। दुखों से घबराना नही है। अपनी सहन शक्ति से इनका समता पूर्वक सामना करना करना चाहिए। आवश्यक सूत्र पर प्रवचन करते हुए विनयमुनि जी ने कहा कि ज्ञान को पचाना जरूरी है। ज्ञान से माया नही करनी चाहिए। ज्ञान से आत्मा कोमल बनती हैं और कोमल आत्मा ही धर्म योग्य होती हैं्। ज्ञान से हम अपने दुर्गुण निकाले। ज्ञान से अहम का नशा चढ़ गया तो ईर्ष्या की उत्पत्ति होती हैं और ईर्ष्या हमे भाव अंधा बना देती हैं। राजू सकलेचा ने संचालन किया। संघ अध्यक्ष लालचंद मांडोत ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.)
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com